

जन्म : 30 अप्रैल 1936

परमेश्वरी देवी जी का जन्म हरियाणा के जींद जिले के जुलानी गांव में चौधरी अमृत सिंह सहारण के घर हुआ

गुरुकुलीय शैक्षणिक संस्थाओं की कुलाधिपति थीं माताजी

माताजी परिवार द्वारा संचालित और पोषित सभी गुरुकुलीय शैक्षणिक संस्थाओं की कुलाधिपति थीं। वे सभी परिवार के सदस्यों एवं सभी संस्थाओं के आचार्यों से निरंतर उनके कार्यकलापों के बारे में जानकारी प्राप्त करती रहती थीं। माता जी पूर्वजों द्वारा स्थापित कुल परम्परा व संस्कारों की वाहिनी और एक स्पष्ट व्यक्तित्व के रूप में उभरीं। उन्होंने इस विरासत को आगे पीढ़ी-दर-पीढ़ी कैसे सुरक्षित रखा जाए, इसका हमें स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी प्रेरणा से खांडा खेड़ी गांव में भारत मित्र स्तंभ का निर्माण करने में इसी विरासत को मूर्त रूप प्रदान करने में प्रमुख योगदान रहा।

सिंधु मठान में गव्य वेद मंदिर का निर्माण करवाया

वैदिक संस्कृति को प्रकाशमान करने वाली परमेश्वरी देवी जी ने अपने पति चौ. मित्रसेन जी के साथ मिलकर सिंधु मठान में गव्य वेद मंदिर का निर्माण भी करवाया। इसके निवास स्थान सिंधु मठान में गव्य और विष्ट वेद मंदिर का निर्माण किसी आश्चर्य से कम नहीं है। जन्मदिन हो या विवाह सहित कोई शुभ अवसर, पूरा सिंधु परिवार माताजी के सान्निध्य में बैठकर यज्ञ करता था, यह कर्म आज भी अजनात जारी है। सिंधु परिवार माताजी का विशेष अवसर होता तो परमेश्वरी देवी जी के मार्गदर्शन में वेद मंदिर में सुबह शाम 3 दिन तीन-तीन घंटे हवन किया जाता था।

वैदिक पथ के पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी परमेश्वरी देवी के निधन से शोक की लहर

भारतीय संस्कृति में मान्यता है कि बहू के कदमों में मां लक्ष्मी के कदमों की आहट होती है। अगर अकेले मां शब्द का वाचन किया जाता है तो उसी में शक्ति की प्रतीक दुर्गा, ज्ञान की देवी सरस्वती, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी और आतिथ्य की देवी अन्नपूर्णा का समावेश एकमात्र मां शब्द में ही हो जाता है। माता परमेश्वरी देवी इन्हीं स्वरूपों का जीता जागता उदाहरण थीं। जो जब बहू के रूप में सिंधु परिवार में आईं तो परिवार में समृद्धि की नई उड़ान शुरू की। इसके बाद मां के रूप में माता परमेश्वरी देवी ने संस्कारों की नई बेल रोपित की, जिसे पूरा परिवार सम्मानित था। हमेशा आर्य समाज के सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली माता जी हर जरूरतमंद की सहायता को अपना परम कर्तव्य समझती थीं। उनका जीवन केवल सिंधु परिवार ही नहीं अपितु हर इंसान के लिए प्रेरणापुत्र है: -

देहांत : 20 जून 2025

परमेश्वरी देवी जी दिल्ली में सांसारिक यात्रा पूरी कर परमात्मा के चरणों में विलीन हो गईं

दान, समर्पण, स्नेह और त्याग की प्रतिमूर्ति परमेश्वरी देवी

महान आर्यसमाजी परमेश्वरी देवी जी के समूचे व्यक्तित्व और कृतित्व को शब्दों में बांधना अत्यंत दुष्कर कार्य है। जिसकी महिमा का वर्णन वाणी भी नहीं कर सकती, ऐसे विराट व्यक्तित्व की धनी थीं माता परमेश्वरी देवी जी। माता परमेश्वरी देवी जी धर्म और संतत्व की ऐसी प्रतिमूर्ति थीं जिनका सान्निध्य पाकर आर्य संतो को भी अपार आनंद की अनुभूति होती थी। अथाह भौतिक संपदा के बावजूद इनकी सरल जीवन शैली सबको आश्चर्य में डाल देती थी। अपने अनन्य समर्पण, त्याग और संस्कारों से सिंधु परिवार को आलोकित करने वाली परमेश्वरी देवी जी का जन्म 30 अप्रैल 1936 को हरियाणा के जींद जिले के जुलानी गांव में हुआ था। जुलानी गांव के चौधरी अमृत सिंह सहारण के घर जब इस कन्या ने जन्म लिया तो कोई नहीं जानता था कि यह कन्या भविष्य में न केवल अपने गांव का नाम बल्कि अपने कुल, परिवार और समाज के साथ साथ वैदिक संस्कृति को भी गौरवान्वित करने वाली होगी। इस कन्या के चेहरे पर ईश्वरीय आभा थी और देवियों जैसा तेज था। ईश्वरीय गुणों का आभास होते ही माता-पिता ने प्रेम से अपनी कन्या का नामकरण ईश्वरी देवी के रूप में किया। कन्या के जन्म से पिता अमृत सिंह और माता भरपाई देवी का हृदय प्रसन्नता से भर गया। परमेश्वरी देवी जी जब मात्र 7 बरस की थीं तो निधति ने इनसे इनकी मां को छीन लिया। छोटी सी बच्ची के सिर से मां का साया उठ गया था। वे बचपन से ही निर्णय लेने में इतनी निपुण थीं कि परिवार के अतिरिक्त गांव में भी चर्चा होने लगी कि हरफूल जाट के कुनबे में बेटी के रूप में बेटे ने जन्म लिया है। किशोरावस्था में परमेश्वरी देवी अपने दादाजी की छोड़ी पर बैठकर खेतों की रखवाली करने जाती थीं। परमेश्वरी देवी जी अपने सभी भाई बहनों में सबसे बड़ी थीं। इन्होंने अपने नौ भाइयों और तीन बहनों को बड़ी बहन के रूप में नहीं अपितु एक मां की तरह पाला पोसा। पिता अमृत सिंह अक्सर कहा करते थे कि हमारे नौ बेटों में जो शक्ति नहीं है, वह शक्ति इस अकेली बेटी में देखने को मिलती है।



8 मार्च 1949 : परमेश्वरी देवी और चौधरी मित्र सेन विवाह के सूत्र में बंधे

युवावस्था की ओर कदम बढ़ाने वाली परमेश्वरी देवी जी के गुणों की ख्याति आस-पास के गांवों में फैलने लगी। आर्य जगत के महान पथिक चौधरी शीशराम जी को जब परमेश्वरी देवी जी के गुणों के बारे में पता चला तो उन्होंने अपने यशस्वी पुत्र चौधरी मित्र सेन से इनका रिश्ता पक्का कर दिया। 8 मार्च 1949 को परमेश्वरी देवी जी और चौधरी मित्र सेन जी विवाह के सूत्र में बंध गए। परमेश्वरी देवी जी को कुलवधू के रूप में प्राप्त कर सास ससुर और समस्त सिंधु परिवार और उनका विशाल कुनबा प्रसन्नता से भर गया। परमेश्वरी देवी जी ने आदर्श बहू बनकर अपने सास-ससुर का हृदय जीत लिया। सर्वगुण संपन्न बहू पाकर सास श्रीमती जिओ देवी जी धन्य हो गईं। श्रीमती जिओ देवी जी एक साध्वी की तरह परमात्मा की भक्ति में लीन रहती थीं। वे वैदिक जीवन के अनुसार अपना जीवन यापन करती थीं। नई नवेली बहू ने गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपनी सास के वैदिक धर्म को भी अपना लिया। धर्म परायण बहू और सास के मैत्री भाव को देखकर ससुर चौधरी शीशराम जी अक्सर कहा करते थे कि हमें बहू नहीं बल्कि बेटी मिली है।

सेवा की मिसाल : 35 साल तक ससुर की आंखें बनीं परमेश्वरी

सौ वर्ष तक जीवित रहने वाले आपके ससुर चौधरी शीशराम जी को काला मोतिया था। जब चौ. शीशराम जी की आंखों की रोशनी धीरे-धीरे खत्म होने लगी तो पूरा परिवार घबरा गया था। इस खतरनाक बीमारी के कारण अंत में उनकी आंखों की रोशनी पूरी तरह लुप्त गई। उन्होंने अपने ससुर की जो सेवा की वह मिसाल बन गई। चौधरी शीशराम जी बिना किसी मय के 35 वर्ष तक नेत्रहीन का जीवन जिए क्योंकि माता परमेश्वरी देवी उनकी आंखों की रोशनी बन चुकी थीं।

देय प्रेम

अपने तीन पुत्रों को सेना में अधिकारी बनाया

परमेश्वरी देवी जी ने अपनी सभी संतानों को राष्ट्रवाद और देशभक्ति के संस्कारों से पोषित किया। आपने अपने छह पुत्रों में से तीन पुत्रों को भारत माता की सेवा करने के लिए सेना में भेजा। एक ही परिवार से तीन पुत्रों का सेना में जाना बहुत बड़ी बात है। इनके दो पुत्र कैप्टन तथा एक पुत्र मेजर जैसे सम्माननीय पदों को सुशोभित कर चुके हैं। आपके सबसे बड़े पुत्र कैप्टन रूद्रसेन जी प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी हैं और सेना में कैप्टन रह चुके हैं। कैप्टन अभिमन्यु जी ने भी भारतीय सेना में 5 वर्ष तक भारत माता की सेवा की। सबसे कम उम्र में सेना में कमीशन प्राप्त किया और कैप्टन का गौरवशाली पद प्राप्त किया। परमेश्वरी देवी जी के तीसरे पुत्र मेजर सत्यपाल आर्य जी 12 वर्ष तक भारतीय सेना में रहे और देश की सेवा करते हुए मेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

2011 में चौधरी मित्रसेन आर्य जी का देहावसान

27 जनवरी 2011 को लंबी बीमारी के बाद वैदिक पथ के पथिक चौधरी मित्रसेन आर्य जी का देहावसान हो गया। परमेश्वरी देवी जी ने संकट की इस घड़ी में पूरे परिवार को समाला और कमी भी अपने बच्चों को पिता की कमी महसूस नहीं होने दी। परमेश्वरी देवी जी की नमता का परिचय इसी बात से मिलता है कि जब भी कोई उनसे पूछता कि माता जी आपने इतना लंबा सफर कैसे बिताया और अकेले यह समाज, परिवार सबको किस तरह समाला तो वे अक्सर यही जवाब देती थीं कि मनी के करघा है मने तो अपने बालक पाले हैं और अपना फर्ज निभाया है।

सांसारिक यात्रा पूरी करने तक सेवा में लगी रहीं

2020-21 में आए कोरोना काल के समय भी परमेश्वरी देवी जी ने पूरे परिवार और रिश्तेदारों, और उनके बच्चों का मनोबल बढ़ाया। आपने पति चौधरी मित्र सेन जी के पदविच्छेद पर चलते हुए वे सेवागत का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कोरोना पीड़ितों की मदद करने के लिए राहत कोष में अमृतपूर्व योगदान दिया। 12 अक्टूबर 2023 को परमेश्वरी देवी जी के संरक्षण में खांडा खेड़ी में भारत मित्र स्तंभ देश को समर्पित किया गया। इसका लोकार्पण आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत जी और योग गुरु रामदेव जी ने किया। 20 जून 2025 को परमेश्वरी देवी जी सांसारिक यात्रा पूरी कर परमात्मा के चरणों में विलीन हो गईं।



मारे पूरे परिवार के साथ माता जी

परमेश्वरी देवी जी का जन्मदिन पूरा परिवार एक साथ मिलकर मनाता था। तस्वीर में पूरा परिवार एक साथ नजर आ रहा है।



मित्रसेन जी के साथ परमेश्वरी देवी

परमेश्वरी देवी जी के साथ हर काम में कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं। घर का काम हो या खेत खलिहान का कमी पीछे नहीं हटीं। दोनों की एक यादगार तस्वीर।

स्वामी धर्मानंद सरस्वती, आचार्य, गुरुकुल आश्रम आमसेना, ओडिशा

परमेश्वरी देवी ने हमेशा पुरुषार्थ को जीवन का आधार बनाया



परमेश्वरी देवी जी के साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति को मैंने अनेक बार स्वयं अनुभव किया है। मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति में भी उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान बनी रहती थीं। अनेक ऐसे अवसर आए जब चौधरी साहब का परिवार संकट के दौर से गुजर रहा था, उस समय इन्होंने अपनी इच्छा शक्ति के बल पर परिवार को न केवल शक्ति प्रदान की, बल्कि पूरे परिवार को निराशा के दौर से भी बचाया। परमेश्वरी देवी ने हमेशा पुरुषार्थ को अपने जीवन का आधार बनाया और अपने बच्चों को भी हमेशा पुरुषार्थ के बल पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इनका जीवन नारी जाति के लिए अनुकरणीय है। इतनी अधिक आयु होने के बावजूद ये सदैव कर्म और पुरुषार्थ को अपने जीवन का आधार मानती रहीं। अनुशासन और नियमों का कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं। स्व. चौधरी मित्र सेन जी आर्य उच्च कोटि के नेता महान पुरुषार्थी थे। चौधरी मित्रसेन जी आर्य के फर्श से अंश तक ऊंचा उठने का श्रेय माता परमेश्वरी देवी के पुरुषार्थ को जाता है। जब चौधरी मित्रसेन जी आर्य की आर्थिक स्थिति सामान्य थी तब भी तथा बाद में भी परमेश्वरी देवी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं। उन्होंने पग-पग पर अपने पति का साथ दिया। यह कहवत प्रसिद्ध है कि मनुष्य की सफलता के पीछे किसी महिला का सहयोग होता है, इस प्रकार सिंधु परिवार की उन्नति के पीछे माता परमेश्वरी का सर्वाधिक सहयोग रहा है। माता जी जैसी सुलझझ की धनी उदार, यज्ञ प्रेमी, अतिथि सेवा करने वाली कोई-कोई महिला मिलेगी। पालन करना उनकी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा।

परमेश्वरी देवी जी ने विशाल परिवार को एक सूत्र में बांधे रखा

पूज्या श्रद्धामयी माता परमेश्वरी देवी जी के जीवन का मैंने बहुत ही गर्भीरता से मूल्यांकन किया है। एक बड़े संयुक्त परिवार को एक सूत्र में बांधे रखने के लिए जिस विवेक, सुलझझ, उदारता, सबके प्रति पूर्ण प्रीति, एकात्मक, क्षमाशीलता, धैर्य, त्याग, तेजस्विता, शुचिता एवं पूर्ण सात्त्विकता या दिव्यता होनी चाहिए, वे सभी गुण पूज्या माताजी में थे। हम सबके पिता समान चौधरी मित्रसेन आर्य जी कहते थे कि ईश्वर भक्त कमी भी उदास व पहाड़ के समान दुःख आने पर भी विचलित नहीं होता एवं कमी भी अकेलापन अनुभव नहीं करता, अपने नाम के अनुरूप ही पूज्या माताजी परमेश्वरी देवी परमेश्वर के साथ यथा एकाकृति होकर जीती थीं। -स्वामी रामदेव, योग गुरु, पंतजलि योगपीठ, हरिद्वार, उत्तराखंड।

संघर्षों से तपकर कुंदन बनीं माता परमेश्वरी देवी जी

वैदिक पथ के पथिक, आर्यश्रेष्ठी चौ. मित्रसेन आर्य की सहधर्मिणी माता परमेश्वरी देवी नारी जाति का गौरव थीं। भारतीय संस्कृति के वास्तव परिवेश में पली-बढ़ी एक बाला आर्यकुल की वधू बनकर स्वयं को आर्य परम्परा के लिए समर्पित कर देती हैं। इनका जीवन श्रम व संघर्ष का जीवन रहा है। वे निर्भीकता, विचारशीलता तथा जीवन्तता के साथ संघर्षों से निकलकर कुंदन बन गईं। उन्होंने सदैव मर्यादित जीवन की जीवनी बनकर जीवन-यापन किया। आपने कर्मयोगी पतिदेव तथा पुत्रों को व्यापार व उद्योग के क्षेत्र में भावनात्मक सम्बल प्रदान करते हुए सदैव उत्साहित किया। इसी कारण संकटापन्न स्थिति में भी आप दृढ़तापूर्वक चौधरी साहब के साथ खड़ी रहीं। -डॉ. सुकामा, पद्मश्री अवॉर्ड विभूषित

माता जी के समूचे जीवन में आर्यत्व निहित

परमेश्वरी देवी जी जीवन भर वैदिक और आर्य शिक्षा के प्रचार-प्रसार में निरंतर सक्रिय रहीं। शिक्षक होने के साथ-साथ आप महान संन्यासी और यज्ञ प्रेमी भी रहीं हैं। आप माता के सभी गुणों से ओत-प्रोत थीं। आपके समस्त जीवन में आर्यत्व निहित था। आपका परोपकारमय जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी रहेगा। आपने अपने पुत्र-पुत्री, पौत्र-पौत्री, प्रपौत्र-प्रपौत्री आदि को सभ्य संस्कार प्रदान किए हैं। परिवार के सदस्यों के सभ्य गुणों का अवलोकन कर यह निश्चित हो जाता है कि माता जी का जीवन पूर्णरूपेण सफल रहा। माताजी सुख-दुःख, लाभ-हानि, जय-पराजय आदि में धर्मपूर्वक एक समान रहती थीं। वे गुण सरलता से प्राप्त नहीं होते हैं, इनके लिए यज्ञ, जप, तप, ध्यान, योग, दान आदि को अपने जीवन में समाहित करना पड़ता है। आदर्शगण्यता माता परमेश्वरी देवी जी ने आदर्शगण्य स्व. चौ. मित्रसेन जी के साथ निरंतर अहर्निश सत्प्रयत्न कर परिवार को उन्नतिपथ पर अग्रसरित किया था। -स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती, गुरुकुल गौतम नगर, नई दिल्ली



मोहन भागवत सिंधु मठान मिलाने आए

आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत जी रोहताक में आए तो उन्होंने सिंधु मठान पहुंचकर माता परमेश्वरी का आशीर्वाद लिया और उनके स्नेह के कायल हो गए।



लड़कियों की पढ़ाई पर जोर

परमेश्वरी देवी जी के मार्गदर्शन में परम मित्र मानव निर्माण संस्थान अनेक गुरुकुल संचालित कर रहा है। विशेषकर लड़कियों की शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है। ओडिशा में छात्रों के लिए छात्रावास और भोजन की व्यवस्था भी संस्थान की ओर से की जाती है।



मित्र स्तंभ की यादगार तस्वीर

परमेश्वरी देवी जी के संरक्षण में खांडा खेड़ी में भारत मित्र स्तंभ 2023 में देश को समर्पित किया गया। चौधरी मित्रसेन की प्रतिमा के साथ परमेश्वरी देवी जी की यादगार तस्वीर।

ऋषियों जैसे स्वभाव से विभूषित माता परमेश्वरी देवी ने उपनिषद के सूत्र 'अतिथि देवो भवः' को अपने जीवन में आत्मसात किया

आतिथ्य सत्कार का सर्वोच्च आदर्श, आर्य जगत अन्नपूर्णा देवी के रूप में जानता है

ऋषियों जैसे स्वभाव से विभूषित माता परमेश्वरी देवी जी का आतिथ्य सत्कार अतुलनीय रहा। उपनिषद के सूत्र अतिथि देवो भवः को अपने जीवन में आत्मसात करने वाली माताजी अतिथि सेवा को अपना सौभाग्य मानती थीं, जिसके कारण समस्त आर्य जगत माता जी को अन्नपूर्णा देवी के रूप में जानता है। इनके आतिथ्य भाव का साक्षात्कार साधु-संतों, योगियों, आर्य विद्वानों से लेकर देश के प्रधानमंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने भी अनेक बार किया है। बड़े-बड़े उद्योगपति, नामी समाजसेवी और राजनेता माता जी का अतिथि सत्कार ग्रहण करने के लिए बरबस ही सिंधु भवन की ओर खिंचे चले आते थे। आध्यात्मिक, राजनीतिक, सामाजिक और उद्योग जगत की विशिष्ट हस्तियों के अतिरिक्त बॉलीवुड के सदाबहार कलाकार धर्मेन्द्र भी माता जी के आतिथ्य सत्कार की मुक्त कंठ से प्रशंसा कर चुके हैं। देश के विभिन्न भागों से दिल्ली और चंडीगढ़ आने वाले विशिष्ट लोग फाइव स्टार होटल में भोजन करने के बजाए माता जी द्वारा परोसे गए सात्विक भोजन को ग्रहण करने के लिए लालायित रहते थे। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी जब स्वर्गीय चौ. मित्र सेन जी से सिंधु भवन में मिलने आए थे तो वे भी माता परमेश्वरी देवी जी द्वारा निष्काम सेवा से किए गए आतिथ्य सत्कार से अभिभूत हो गए थे। अतिथि भाव से गदगद होकर उन्होंने माता जी को अन्नपूर्णा देवी की संज्ञा दी थी। कवि हृदय वाले वाजपेयी जी ने चौ. मित्र सेन जी की ओर देखकर कहा था कि आप अत्यंत सौभाग्यशाली हैं क्योंकि आपको अन्नपूर्णा जैसी धर्मपत्नी प्राप्त हुई है।

जब स्वामी रामदेव भावुक हो गए, बच्चे की तरह माता जी के कंधे पर रख लिया सिर



बॉलिवुड अभिनेता धर्मेन्द्र जब सिंधु मठान पहुंचे तो वहां का संस्कारित माहौल देखकर चकित रह गए। स्वामी रामदेव एक बार माताजी के वात्सल्य और अतिथि के प्रति समर्पण भाव को देखकर इतने भावुक हो गए कि उन्होंने अपना सिर माताजी के कंधे पर रख दिया। एक बालक की तरह उन्होंने अपनी आंखें बंद कर लीं और भाव विह्वल होकर माताजी के गले लग गए। चौधरी मित्र सेन जब भी हरिद्वार स्थित पंतजलि योगपीठ में जाते थे तो माताजी स्वामी रामदेव जी के लिए देवी घी और बूरा अवश्य भिजवाया करती थीं। योग गुरु स्वामी रामदेव जी के साथ पंतजलि योगपीठ के पीठाधीश्वर आचार्य बालकृष्ण जी भी सिंधु मठान में माता जी की अतिथि सेवा का आत्मिक सुख प्राप्त कर चुके हैं।



घृतच्युतो विराजो नाम कामदुधा अक्षीयमाणाः

वेदों में नारियों को अन्नपूर्णा कह कर संबोधित किया गया है। यहां अनायास यजुर्वेद का एक मंत्र याद आ जाता है : घृतच्युतो विराजो नाम कामदुधा अक्षीयमाणाः।। अर्थात् है। घर में रहने वाली देवियों, तुम धी बहाने वाली हो, मधु बहाने वाली हो, विविध खानपान आदि वस्तुओं से शोभित हो। तुम कामधुधा हो। तुम्हारे पास अन्न, दूध, घृत आदि ऐश्वर्य भरे रहते हैं जो कभी समाप्त नहीं होते। उनसे तुम परिजनों और अभ्यागतों को तृप्त करती रहो। अन्नपूर्णा के रूप में विराजमान माता परमेश्वरी देवी जी की रसोई में भी दूध, घी और अन्न के भंडार कमी समाप्त नहीं होते थे। सिंधु मठान में पधारने वाले संतो, विद्वानों और अतिथियों को माताजी कामधुधे के रूप में तृप्त करती हैं।

देखा माता जी का वात्सल्य

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वल्लभ, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, ओम प्रकाश जिंदर, स्वामी अविनेश जी, स्वामी इन्द्रवेश जी, महान तपस्वी स्वामी दीक्ष नंद सरस्वती जी, प्रख्यात पत्रकार एचडी शोरी आदि माता जी के आतिथ्य सत्कार का साक्षात्कार कर चुके हैं। आर्य समाज संस्थाओं के प्रख्यात विद्वानों, मनोषियों, मजनोंपदेशकों और गुरुकुलों के आचार्यों ने भी माताजी के अन्नपूर्णा स्वरूप के दर्शन किए हैं।



वैदिक पथ के पथिक चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी व हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता थीं परमेश्वरी देवी

माता परमेश्वरी देवी जी का निधन

बच्चों को किया शिक्षित
परमेश्वरी देवी औपचारिक रूप से ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं थीं, इसके बावजूद भी उन्होंने अपने सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर शिक्षित किया। परिवार को एकजुट रखकर अच्छे संस्कार दिए। परमेश्वरी देवी की शादी स्वर्गीय चौधरी मित्र सेन आर्य के साथ 1948 में हो गई थी। काम के सिलसिले में 1961 में स्वर्गीय चौधरी मित्र सेन उड़ीसा चले गए थे। उसके बाद बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी उनकी थी। वह सभी बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करती थीं और सभी बच्चों को बैठकर उनके बीच में बैठकर उनकी देखरेख करती थीं। वे हर किसी को अच्छे संस्कार देकर उनकी ऊर्जावान बनाने का पाठ पढ़ती थीं। शादी के बाद गांव खांडखेड़ी में ही काफी वर्षों तक रहीं। इन्हें दौरान घर का सारा काम निपटाने की भी उनकी जिम्मेदारी होती थी। चुनवा के समय कैप्टन अभिमन्यु को सीख देनी थी कि ईशानवदारी के साथ चुनवा लड़े और भाइयारों को मजबूत बनाकर सामाजिक ताने-बाने को और आगे ले जाने का काम करें।



देशभर के अनेक गुरुकुलों व आर्य समाजी संस्थाओं में अग्रणी भूमिका में थी माता परमेश्वरी देवी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

वैदिक पथ के पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु समेत नौ पुत्र-पुत्रियों की माता परमेश्वरी देवी जी का शुक्रवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वो बीते कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं। उन्होंने दिल्ली में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10 बजे गांव खांडा खेड़ी में किया जाएगा। परमेश्वरी देवी अपने पीछे 6 बेटों और 3 बेटियों का भरापूर परिवार छोड़ गईं। बेटों में कैप्टन रुद्रसेन सिंघु, वीरसेन, व्रतपाल, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सत्यपाल और देव सुमन शामिल हैं, जबकि बेटियों में दया, बिमला और मधु हैं। यह दुःखद खबर कैप्टन अभिमन्यु ने शुक्रवार मीडिया पर साझा की। उन्होंने लिखा, मेरी माता का प्रेम, त्याग और उच्च संस्कार परिवार व समाज के बीच सदैव अमिट रहेंगे। उनकी दी हुई सीख और आशीर्वाद हमेशा साथ रहेंगे। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की गई पोस्ट में कैप्टन अभिमन्यु ने लिखा- बड़े ही भारी मन से सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्य माता परमेश्वरी देवी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर आज ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गईं। उन्होंने लिखा- उनका प्रेम, स्नेह, त्याग और उच्च संस्कार परिवार व समाज के बीच सदैव अमिट रहेंगे। उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकेगी, लेकिन उनकी दी हुई सीख और आशीर्वाद सदा हमारे साथ रहेंगे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार, 21 जून को सुबह 10 बजे हमारे पैतृक गांव खांडा खेड़ी में होगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। याद रहे माता परमेश्वरी देवी जी आर्य समाज सेवा में हमेशा अग्रणी रहती थीं। उन्होंने आर्य समाज से जुड़े सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिकाएं निभाईं। वो आर्य समाज के साथ-साथ खेती और समाज उत्थान में विशेष रुचि रखती थीं। उनका हर संभव प्रयास रहता था कि हर जरूरतमंद की यदासंभव मदद की जाए। कल उनके अंतिम संस्कार में देशभर की अनेक राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक हस्तियां हिस्सा लेंगी।

खबर संक्षेप

मुख्य सचिव रस्तोगी को एक साल सेवा विस्तार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को एक साल अर्थात जून 2026 तक सेवा विस्तार मिल गया है। प्रदेश की नायब सैनी सरकार ने एक साल सेवा विस्तार की सिफारिश केंद्र सरकार से की थी, जिसको स्वीकार कर लिया गया है।



एसीबी ने सिसोदिया से तीन घंटे पूछताछ की

नई दिल्ली। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से यहां सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने तीन घंटे अधिक समय तक पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी एसीबी ने सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) नेताओं सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को तलब किया था। जैन 6 जून को एजेंसी के समक्ष पेश हुए थे। भाषा

शुक्ला समेत अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस ले जाने वाला मिशन टला

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) ले जाने वाले एक्सओम-4 मिशन के लिए रिविज को तय प्रक्षेपण स्थगित करते हुए कहा कि हाल में रूसी खंड में मरम्मत के बाद कक्षीय प्रयोगशाला के संचालन का आकलन करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। भाषा

आरोपितों से एक करोड़ की कोकीन-सुल्फा जब्त 42 मोबाइल और भारी मात्रा में नकदी बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच ने इंटरनेशनल ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक महिला व सात विदेशियों समेत 8 ड्रग्स तस्करो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों से एक करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ भी बरामद किए हैं। पकड़े गए विदेशियों में से एक को छोड़कर किसी के पास भी भारत में रहने के वैध दस्तावेज नहीं थे, जिसके चलते विदेशी अधिनियम की धाराएं भी मुकदमे में जोड़ी गईं। एक आरोपित पुलिस हिरासत रिमांड पर है, जबकि बाकी सभी को पुलिस ने अदालत में पेश किया। जहां से सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दरअसल, सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच के प्रभारी इन्स्पेक्टर नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने सेक्टर-39 से नेपाल मूल के बिमल पहाड़ी को 1 किलो 60 ग्राम सुल्फा और 116 ग्राम कोकीन के साथ काबू किया था। पुलिस ने आरोपितों से 788 ग्राम कोकीन, 2 किलो 34 ग्राम कच्चा कोकीन, सुल्फा, तीन इलेक्ट्रॉनिक

इजराइल-ईरान ने फिर दागीं एक-दूसरे पर मिसाइल, कई घायल ईरान ने खोला एयरस्पेस, 290 छात्र दिल्ली लौटे, दो उड़ानें और आएंगी

तेल अवीव/तेहरान (भाषा)। इजराइल और ईरान ने शुक्रवार को एक दूसरे पर मिसाइलें दागीं। दूसरी तरफ, ईरान ने भारत के लिए अपना एयरस्पेस खोल दिया है। ऑपरेशन सिंधु के तहत भारत सरकार अगले दो दिनों के दौरान 3 स्पेशल चार्टर्ड फ्लाइट्स से करीब 1000 भारतीय छात्रों को रेस्क्यू कर भारत लाया जाएगा। शुक्रवार देर रात 290 छात्र ईरान के मसहद से दिल्ली पहुंच गए हैं। यहां अधिकारियों और परिजनो ने उन्हें रिसिव किया। सुबह तक दो उड़ानें और आएंगी। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक ओर युद्ध में सैन्य भागीदारी पर विचार कर रहे हैं, जबकि दूसरी ओर संघर्ष रोकने के लिए नए कूटनीतिक प्रयास शुरू होते दिख रहे हैं। ट्रंप इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या ईरान के फोडों यूरेनियम संवर्धन संयंत्र पर हमला किया जाए जो एक पहाड़ के नीचे स्थित है। इसे व्यापक रूप से पहुंच से बाहर बताया जाता है, लेकिन अमेरिका के 'बंकर बस्टर' बम उड़ाने सट कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह अगले दो सप्ताह के भीतर यह निर्णय लेंगे कि ईरान पर हमला करना है या नहीं।



ईरान से दिल्ली पहुंचेंगी तीन पलाइंट

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, भारतीय छात्रों को लेकर एक फ्लाइट शुक्रवार रात और दो फ्लाइट्स शनिवार दोपहर तक भारत पहुंचेंगी। इन पलाइंट्स की व्यवस्था भारत सरकार ने की है। ये फ्लाइट्स ईरान के मसहद से उड़ान अरेजी और दिल्ली में उतरेंगी। इसके जरिये करीब 1000 छात्रों को लाया जाएगा। इससे पहले 110 भारतीय छात्र 19 जून को ईरान से भारत पहुंचे थे। हालांकि, इन्हें लैंड बॉर्डर के रास्ते ईरान से निकाला था।

इजराइल ने भी ईरान पर किए हमले

हाइफा में 23 घायल, 3 गंभीर, इमारतें क्षतिग्रस्त

ईरान बोला इजराइल हमला रोके तो हम वार्ता के लिए तैयार

ईरान ने दागे रॉकेट

शुक्रवार को सुबह ईरान ने इजराइल के बौशेबा शहर में नाइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। ईरान ने गुरुवार को बौशेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

इजराइल ने भी किए हमले

इजराइल ने कहा कि उसने शुक्रवार सुबह ईरान में हवाई हमले किए, जिसमें 60 से अधिक विमानों ने मिसाइलों के निर्माण से जुड़े औद्योगिक स्थलों को निशाना बनाया। उसने इन स्थानों के बारे में विस्तार से नहीं बताया है। इजराइल ने यह भी कहा कि उसने ईरान के रक्षा नवाचार और अनुसंधान संगठन के मुख्यालय को निशाना बनाया, जिसे फारसी में संक्षिप्त नाम एसपीएनडी के नाम से जाना जाता है।

एचएयू के छात्रों से बातचीत करने के लिए 4 सदस्यीय समिति गठित

स्कॉलरशिप पॉलिटी का विरोध कर रहे हैं छात्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़

और नलवा से विधायक रणधीर पानिहार को शामिल किया गया है। यह कमेटी छात्रों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनेगी और उचित समाधान सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं व छात्रों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। सरकार हर स्तर पर युवाओं व छात्रों के साथ खड़ी है।

183 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी मामले में पीएनबी का सीनियर मैनेजर अरेस्ट

इंदौर (हरिभूमि न्यूज)। एक कंपनी द्वारा 183 करोड़ रुपये की फर्जी बैंक गारंटी जमा कर 3 सरकारी प्रोजेक्ट हासिल करने के मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। इस घोटाले की जांच में सीबीआई ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक पीएनबी का सीनियर मैनेजर है। सीबीआई की शुरुआती जांच में सामने आया है कि कोलकाता में सक्रिय एक गिरोह बड़े पैमाने पर फर्जी बैंक गारंटियां बनाकर सरकारी ठेके हासिल करने के काम में शामिल है। यह गिरोह कई राज्यों में इसी तरह के घोटाले कर चुका है। एमपी जल निगम लि. ने साल 2023 में इंदौर की निजी कंपनी को 974 करोड़ की तीन सिंचाई प्रोजेक्ट्स दिए थे। इन प्रोजेक्ट्स के लिए कंपनी ने कुल आठ फर्जी बैंक गारंटियां जमा करवाईं, जिनकी कुल वैल्यू 183.21 करोड़ रुपये थी।

सोनीपत में डीसी का पीए 3.50 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसीबी की टीम ने घर पर छापा मारकर 5.75 लाख बरामद किए

सोनीपत (हरिभूमि न्यूज)। एंटी कर्प्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शुक्रवार को जिला उपायुक्त (डीसी) के निजी सहायक (पीए) शशांक शर्मा को 3.50 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि शिकायतकर्ता को राई तहसील में रजिस्ट्री क्लर्क के पद पर ट्रांसफर करवाने की एवज में 5 लाख की डिमांड की थी, जिसमें से 1.5 लाख रुपये पहले ही दिए जा चुके थे। एसीबी ने आरोपित शशांक के घर से 5.75 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं। आरोपित को शनिवार को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। शिकायतकर्ता क्लर्क जितेंद्र ने विजिलेंस टीम को शिकायत देकर बताया कि डीसी के पीए शशांक शर्मा ने राई तहसील में रजिस्ट्री क्लर्क के पद पर ट्रांसफर कराने के नाम पर उससे 5 लाख मांगे थे। शिकायत के बाद एसीबी की टीम ने



आरोपित को पकड़कर लेकर जाते हुए टीम।

उपायुक्त कार्यालय में हड़कंप
आरोपित शशांक को गिरफ्तारी से उपायुक्त कार्यालय में हड़कंप मच गया। इसके बाद एसीबी की टीम उसे उसके आवास पर लेकर पहुंची। जहां कुछ कागजात व 5.75 लाख रुपये बरामद हुए। कुछ आभूषण भी टीम ने बरामद किए हैं।

उच्च अधिकारियों पर भी गिर सकती है गाज
आरोपित शशांक की गिरफ्तारी के बाद एसीबी जांच कर रही है कि रिश्ततखोरी के इस जाल में और कौन-कौन शामिल हैं। आने वाले दिनों में कुछ उच्च अधिकारियों पर भी जांच फिर सकती है।

वर्क की शिकायत मिली थी। इस संबंध में टीम का गठन कर आरोपित को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। अब उससे घर पर मिली नकदी के बारे में पूछताछ की जाएगी। -सोमवीर, डीएसपी रोहतक टीम।

पीड़ित कर्मचारी को पाउडर लगे नोट देकर डीसी कार्यालय में भेजा। शुक्रवार दोपहर को जब क्लर्क ने राशि शशांक को दी तो उसी दौरान टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

हिसार में 15000 लेते सब इंस्पेक्टर दबोचा करनाल में मंडी सुपरवाइजर वेदपाल 5000 लेते गिरफ्तार

केस में धाराएं हटाने के लिए रुपये मांगे

2023 में घोखाघड़ी का केस दर्ज हुआ था

हिसार (हरिभूमि न्यूज)। एसीबी ने सिविल लाइन थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर रामनिवास को 15,000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इस संबंध में करनाल के देवेन्द्र की शिकायत के अनुसार वर्ष 2023 में सिविल लाइन थाने में दर्ज एक केस में धाराएं हटाने की एवज में एसआई रिश्वत की मांग कर रहा था। इसके बाद देवेन्द्र ने सतकंठा टीम को पूरे मामले की जानकारी दी। इस पर एसीबी पाउडर लगाकर नए नोटों की गड्डी शिकायतकर्ता को दी। जैसे ही एसआई ने रिश्वत की डिमांड की और पैसे पकड़कर गिनने लगा तो टीम ने थाने में ही उसे दबोच लिया। सिविल लाइन थाना में वर्ष 2023 में घोखाघड़ी का केस दर्ज हुआ था। हिसार के व्यक्ति ने करनाल के व्यक्ति देवेन्द्र पर एक लाख 30 हजार हड़पने का केस दर्ज करवाया था।

तरावड़ी/करनाल (हरिभूमि न्यूज)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) करनाल की टीम द्वारा तरावड़ी मंडी मार्केट कार्यालय में नियुक्त मंडी सुपरवाइजर वेदपाल को 5,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपित के विरुद्ध अभियोग संख्या धारा 7 पीसी एक्ट 1988 के तहत थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो करनाल में दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि वर्ष 2024 में तरावड़ी सबजी मंडी में पत्नी के नाम एक दुकान खरीदी थी। इस दुकान को मार्केट कमेटी तरावड़ी में रजिस्टर करने की एवज में आरोपित वेदपाल मंडी सुपरवाइजर कार्यालय मार्केट कमेटी तरावड़ी द्वारा पहले उसे 20,000 रुपये की रिश्वत की मांग की। उसके बाद बार-बार अनुरोध करने के पर आरोपित द्वारा उसे 5,000 रिश्वत लेने की सहमति बन गई। टीम ने वेदपाल को पैसे लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज

पीएम मोदी पांच लाख लोगों के साथ विशाखापट्टनम में करेंगे आसन

पूरी दुनिया जमीन से आसमान तक करेगी अनुलोम-विलोम

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को पूरी दुनिया योगाभ्यास करेगी। जमीन से आसमान तक साधक अनुलोम-विलोम करेंगे। योग दिवस के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को विशाखापट्टनम में 5 लाख लोगों के साथ योग करेंगे। उनके साथ इस मौके पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुजरात में तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उधमपुर में योग करेंगे। वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और योग गुरु स्वामी रामदेव कुरुक्षेत्र पवित्र ब्रह्मसरोवर के तट पर योग कार्यक्रम में भाग लेंगे। शुक्रवार को कुरुक्षेत्र पहुंचे स्वामी रामदेव ने कहा कि योग धर्म को कुरुक्षेत्र की धरा युग धर्म बनाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 1 लाख प्रतिभागी एक साथ योग करके विश्व में एक नया कीर्तमान स्थापित करेंगे।

सीएम सैनी और योग गुरु स्वामी रामदेव कुरुक्षेत्र में करवाएंगे योग, हरियाणा रचेगा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली/कुरुक्षेत्र

शाह गुजरात में तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उधमपुर में योग करेंगे। वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और योग गुरु स्वामी रामदेव कुरुक्षेत्र पवित्र ब्रह्मसरोवर के तट पर योग कार्यक्रम में भाग लेंगे। शुक्रवार को कुरुक्षेत्र पहुंचे स्वामी रामदेव ने कहा कि योग धर्म को कुरुक्षेत्र की धरा युग धर्म बनाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 1 लाख प्रतिभागी एक साथ योग करके विश्व में एक नया कीर्तमान स्थापित करेंगे।

191 देशों में होगा योग कार्यक्रम

आईसीसीआर की महनिवेशक के नंदिनी सिंगला ने कहा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ पर हम दुनिया के लगभग हर देश को योग से जोड़ रहे हैं। अमेरिका जैसे देशों में कई शहरों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हम 21 जून को 191 देशों में 1,300 से अधिक स्थानों पर 2,000 से अधिक योग कार्यक्रम आयोजित करेंगे। ईसीसीआर 'योग बंधन' नामक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित कर रही है, जिनमें बांग्लाज, अर्जेंटीना, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, श्रीलंका, इंडोनेशिया, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया सहित 15 देशों के 17 योग गुरुओं और प्रशिक्षकों की भागीदारी रहेगी।



यह रहेगा थीम : दुनिया भर के कई देशों द्वारा मनाए जाने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की विषयवस्तु एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग रखी गई है। संस्कृति मंत्रालय देशभर में 100 प्रसिद्ध स्थलों और 50 अन्य सांस्कृतिक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा।

भारत 191 देशों में कार्यक्रम आयोजित करेगा : भारत शनिवार को विश्वभर के 1,300 शहरों में योग कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। इन कार्यक्रमों से देश की प्राचीन परंपरा और सौम्य ताकत को प्रदर्शित किया जाएगा। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग भी इस अवसर पर इस्लामाबाद में योग कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।



स्वस्थ जीवन जीने के लिए योग और पर्यावरण दोनों आवश्यक



जीवन में पर्यावरण व योग का महत्व

मनुष्य जीवन बड़ा ही अनमोल है। अतः जितने दिन जीएँ एक स्वस्थ शरीर के साथ जीएँ और स्वस्थ शरीर के साथ जीवन जीने के लिए पर्यावरण और योग दोनों का ही हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है। क्योंकि पर्यावरण हमें जीने के लिए आवश्यक चीजें प्रदान करता है, जिस प्रकार हवा अर्थात् आक्सीजन, पानी और भोजन वहीं पर योग से हमें शारीरिक स्वास्थ्य व मन को शांत रखने की ऊर्जा मिलती है। योगिक सूक्ष्म क्रियाओं और स्वच्छ पर्यावरण का यदि मिलन हो जाए तो मनुष्य के अंदर किसी भी प्रकार का रोग व विकार नहीं रहता। पर्यावरण में ऐसी जड़ों-बुटियों हैं जिनके उपयोग से गंभीर से गंभीर रोगों का इलाज किया सकता है जैसे गिलोय, नीम, बहमी, शंखपुष्पी, सहजान आदि का रोगानुजाय उपयोग के नियमित रूप से प्राणायाम, ध्यान, सूत्रज्ञेति क्रिया, योगासन जैसे मंडुकासन, नौकासन, उलानपादासन, वज्रासन, मर्कटासन आदि के द्वारा रोगों को दूर करके एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

अर्थ को कैसे स्वच्छ रखें

पर्यावरण का मतलब है हमारे आस-पास की प्राकृतिक वस्तुएँ जैसे हवा, पानी, भूमि, पेड़-पौधे आदि। पर्यावरण को बचाने से हम न केवल अपने स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार कर सकते हैं, बल्कि एक स्वस्थ और सुंदर ग्रह बनाने में भी मदद कर सकते हैं। अतः इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाकर उनका पोषण करें, नदियों के जल को स्वच्छ रखें आदि। पर्यावरण को संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। हमें प्रदूषण को कम करने, वनों को काटने को रोकने, और वन्यजीवों की रक्षा करने जैसे उपाय करने चाहिए।

योग का अर्थ व महत्व

योग हमारी प्राचीन भारतीय विद्या है। योग का अर्थ है जुड़ना ध्यान के माध्यम से आत्मा का परमात्मा से मिलना। योग हमें शारीरिक स्वास्थ्य, व्यास नियंत्रण, ध्यान और नैतिक सिद्धांतों से जोड़ता है। यह मन, शरीर और आत्मा को एक साथ लाने का एक तरीका है। योग हमारे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

घुटने का दर्द

जैसे यदि किसी के घुटने में दर्द है तो आजकल आम समस्या होती जा रही है तो आक नामक पौधे के पत्तों पर सरसों का तेल लगाकर मस करके बांधें और नियमित प्राणायाम व ठंडे पानी या बर्फ से सिकाई करे तो लाभ होगा।

शरीर में एसिड का बनना

शरीर में एसिड ज्यादा बनता है तो अपनी रसोई में जाईए और जीरा के दस बारह दाने निकालिए और मूँह में रखकर चूसते व चबाते रहिये खाली पेट लाभ होगा। योग में बाह्य कुम्भक व नियमित धीरे धीरे कपालभाति करें।

श्वास-दमा की द्रविकत

श्वास-दमा के रोगी खुली स्वच्छ हवा में लंबे-लंबे गहरे श्वास लें और तुलसी, अदरक, मुलेठी जैसी जड़ी बुटियों का सेवन करें। इससे श्वास और दमा संबंधी बीमारियों में विशेष लाभ मिलता है। और जल्दी ही आराम आ जाता है।

सिरदर्द से परेशानी

सिरदर्द से परेशान बाहमी व शंखपुष्पी का सेवन करें और नियमित नाडीशोधन प्राणायाम करें। इससे विशेष लाभ मिलता है। इस पृथ्वी पर विटामिन का सबसे बड़ा स्रोत मॉरिंगा है जिसे आप सजने से जानते हैं। उसके पत्तों का सेवन करें और नियमित नाडीशोधन प्राणायाम, कपालभाति व योगासन करें।

-डॉ. शम्भू योगी, योग, यज्ञ एवं प्राकृतिक चिकित्सक

तनाव कम करें यिन योग

ताओवाद में निहित योग का एक आधुनिक रूप, यिन योग शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर इसके प्रभावों के कारण लोकप्रियता में बढ़ रहा है।

यिन योग के सिद्धांत : अपने किनारों को खोलें : विभिन्न संवेदनाओं को समझने और अभ्यास को नेविगेट करने की इस जागरूकता को यिन योग में किनारों को खोलना कहा जाता है। स्थिर हो जाए: शारीरिक स्थिरता से सांस नरम और सहज हो जाती है, जो मन को स्थिर करने के लिए आवश्यक है।

यिन योग के लाभ : लचीलापन बढ़ाता : मन-शरीर के बीच संबंध को बढ़ाता है। यिन योग एक ध्यानमय अभ्यास है जो आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के लाभ प्राप्त करने का समय देता है। जब आप किसी मुझ में स्थिर रहते हैं, तो आप शरीर में होने वाली विभिन्न संवेदनाओं और इन संवेदनाओं के प्रति अपने मन की प्रतिक्रिया के बारे में जागरूक हो सकते हैं। माइंडफुलनेस को मजबूत करता: यिन योग आपका ध्यान वर्तमान पर लाकर जागरूकता को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। मुक्त वी प्रवाह बनाता : यिन वह महत्वपूर्ण जीवन शक्ति ऊर्जा है जो हमारे अस्तित्व को सभी स्तरों पर बनाती है, बनाए रखती है और पोषण देती है- भौतिक, सूक्ष्म और कारण। यिन योग आसन मेरिडियन लाइनों को खोलते हैं, वे वैजल जिनके माध्यम से वी बहती है। स्थिर वी विभिन्न बीमारियों, जैसे कि पुराने दर्द, सूजन और ऑटोइम्यून बीमारियों का कारण बनती हैं।

योग दिवस पर लें ये 25 संकल्प

1. योग को जीवनशैली में शामिल करेंगे।
2. रोजाना कम से कम 20 मिनट योग करेंगे।
3. अपने परिवार को भी योग के साथ जोड़ेंगे।
4. तनाव को दबा से नहीं, योग से दूर करेंगे।
5. योगासन जैसे ताड़ासन, वज्रासन, त्रिकोणासन, मरिचका प्राणायाम, हलासन, अनुलोम-विलोम और कपालभाति को जीवनशैली में शामिल करेंगे।
6. स्त्रीजन यानी मोबाइल, टीवी या कंप्यूटर से कुछ समय के लिए दूरी बनाएंगे।
7. धूम्रपान और शरा से दूर रहेंगे।
8. स्वच्छ जीवनशैली अपनाएंगे।
9. फास्टफूड और पैकडफूड से पूर्ण रूप से दूर रहेंगे।
10. योग के प्रति जागरूकता को भी अपने स्तर पर फैलाएंगे।
11. वजन नहीं बढ़ने देंगे।
12. पॉजिटिव लोगों के साथ रहेंगे।
13. उचित दिनचर्या अपनाएंगे। बेहतर नींद लें।
14. समय से सोएंगे और सुबह सूर्य निकलने से पहले उठेंगे।
15. खाने की सही दिनचर्या बनाएंगे।
16. तेज मसालेदार और तले-भुने से दूर रहेंगे।
17. मांसाहार से दूरी बनाएंगे।
18. रोजाना अभ्यास करेंगे।
19. अपनी दिनचर्या में पैदल चलना शामिल करें।
20. साइकिल चलाना शुरू करें।
21. तेरना या नृत्य जैसी गतिविधियां शामिल करें।
22. मित्र या परिवार के सदस्य के साथ टहलें।
23. व्यायाम के लिए समय निर्धारित करें।
24. क्रॉस-ट्रेनिंग करें, बोरियत से बचेंगे।
25. अपने शरीर की सुनें।

सदियों से मन को शांत करने और स्वस्थ जीवन देने में कारगर

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 191 देशों में साधक धरती से आसमान तक जमाएंगे आसन, दुनिया को देंगे एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य का संदेश



योगी आनंद
योगाचार्य

ध्यान एक प्राचीन अभ्यास है जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। ध्यान का उपयोग सदियों से मन को शांत करने, तनाव कम करने और संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार के लिए किया जाता रहा है। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम केवल एक नारा नहीं, अपितु एक सार्वभौमिक सत्य का आह्वान है। प्रदूषण किस प्रकार हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और किस प्रकार योग व ध्यान के माध्यम से हम आंतरिक शांति की पुनः स्थापना कर सकते हैं। पेश है योग दिवस पर विशेष रिपोर्ट:-

सात ऊर्जा केंद्र

सात ऊर्जा केंद्रों पर निर्देशित ध्यान, जिसे चक्र ध्यान भी कहा जाता है, शरीर के सात ऊर्जा केंद्रों (चक्रों) पर ध्यान केंद्रित करने का एक अभ्यास है। यह अभ्यास शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण को बेहतर बनाने में मदद करता है। चक्र ध्यान में, प्रत्येक चक्र पर अलग-अलग ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो शरीर में विशिष्ट स्थानों पर स्थित होते हैं और माना जाता है कि वे जीवन शक्ति या प्राण के प्रवाह को प्रभावित करते हैं। इन चक्रों को संतुलित करने से, व्यक्ति अपने शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है।

समय निर्धारण

5-10 मिनट की छोटी सत्र से शुरू करें, और धीरे-धीरे सत्र की अवधि को 20-30 मिनट या आरामदायक अवधि लगने तक बढ़ाएं। महत्व समय की अवधि से ज्यादा, नियमितता में है, अपने समय सारणी के अनुसार और नियमित अभ्यास के लिए एक समय-मान दृढ़ता जरूरी है। कुछ लोग छोटे और अक्सर सत्र से फायदा उठाते हैं, जबकि दूसरे लंबे और कम बार के सत्र को पसंद करते हैं। खुद के लिए सबसे अच्छा क्या काम करता है, वो दृढ़ता के लिए प्रयोग करें और धीरे-धीरे इस पर निरंतर अभ्यास करें।

आसन या स्थितियां

पारंपरिक ध्यान आसन जैसे घुटनों पर बैठना, या कुर्सी पर बैठना होते हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लिए एक आरामदायक स्थिति दृढ़ता। स्थिति को एक सतर्क लेकिन आरामदायक अवस्था का समर्थन करना चाहिए, सीधी रीढ़ के साथ जिससे सांस लेने में मदद मिले। आप बैठकर, खड़े होकर, या लेटकर ध्यान कर सकते हैं वह स्थिति चुनें जो आपको आपके अभ्यास की अवधि के लिए सतर्क और आरामदायक रहने दे।

ध्यान तनाव दूर कर सुधारता है तन और मन की सेहत

ध्यान करने के नियम

1. एक शांत जगह चुनें : ध्यान लगाने के लिए किसी शांत जगह का चयन करें।
2. आरामदायक स्थिति में बैठें: आप कुर्सी पर या फर्श पर पद्मासन या सुखासन में बैठ सकते हैं।
3. अपनी आंखें बंद करें: अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें।
4. सांस लेने और छोड़ने पर ध्यान दें: अपनी सांस को नियंत्रित करने की कोशिश न करें, बस इसे स्वाभाविक रूप से आने और जाने दें।
5. अपने विचारों को आने-जाने दें: यदि आपके मन में कोई विचार आता है, तो उसे बिना निर्णय के आने-जाने दें, और अपना ध्यान वापस अपनी सांस पर लाएं।
6. नियमित रूप से अभ्यास करें: सर्वोत्तम परिणामों के लिए, हर दिन कुछ मिनटों के लिए ध्यान का अभ्यास करें।
7. धैर्य रखें: ध्यान एक कौशल है जिसे विकसित करने में समय लगता है, इसलिए धैर्य रखें और अभ्यास करते रहें।

ध्यान के लाभ

- तनाव कम करता है, तनाव हार्मोन कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में मदद करता है।
- चित्त कम करता है।
- नींद में सुधार करता है।
- ध्यान एकाग्रता और स्मृति में सुधार करने में मदद करता है।
- रक्तचाप कम करता है।
- दर्द से राहत दिलाता है।
- इम्युनिटी बढ़ाता है।
- सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करता है।
- नियमित ध्यान आत्म-जागरूकता बढ़ाकर और सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है। यह नकारात्मक भावनाओं को बेहतर ढंग से संभालने में सहायता करता है और भावनात्मक स्थिरता को बढ़ावा देता है।

ध्यान के प्रमुख प्रकार

आनापानसति ध्यान

आनापानसति ध्यान आपको अपनी श्वास की प्राकृतिक लय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निर्देशित करता है। श्वास शरीर में प्रवेश करती है और बाहर निकलती है। आप आराम से बैठ सकते हैं और नाक से सांस की अनुभूति या शरीर में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाली हवा की अनुभूति के प्रति उनकी जागरूकता को धीरे-धीरे निर्देशित कर सकते हैं।

ॐ ध्यान

ॐ जाप ध्यान में परम्परागत २३०२ को बार-बार बोलकर मन को एकत्रित किया जाता है, जिसमें इसकी गुंज और वाइब्रेशन पर ध्यान केंद्रित होता है। यह अभ्यास विश्राम प्रदान करने, ध्यान को बढ़ाने, और आत्मा और बहमांडल के साथ जुड़ाव का अनुभव कराने का उद्देश्य रखता है।

चक्र ध्यान

चक्र ध्यान प्राचीन भारतीय परंपराओं में निहित एक समय अभ्यास है। यह शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए शरीर के ऊर्जा केंद्रों, या चक्रों को संतुलित करने और संरक्षित करने पर केंद्रित है। अभ्यासकर्ता आम तौर पर सात चक्रों में से प्रत्येक की कल्पना करते हैं, रीढ़ की हड्डी के आधार पर जड़ से लेकर सिर के शीर्ष पर मुकुट तक, कर्ताई ऊर्जा पहियों के रूप में। केंद्रित ध्यान, श्वास कार्य और विशिष्ट पुष्टि के माध्यम से, चक्र ध्यान का उद्देश्य शारीरिक और आध्यात्मिक रुकावटों को दूर करना और जीवन के विभिन्न पहलुओं में संतुलन और सद्भाव को बढ़ावा देते हुए महत्वपूर्ण जीवन शक्ति ऊर्जा के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देना है।

विपश्यना ध्यान

विपश्यना ध्यान एक प्राचीन बौद्ध प्रथा है जो गहन आत्म-अन्वेषण और अंतर्दृष्टि पर जोर देती है। इसमें मन और शरीर को गैर-निर्णायक जागरूकता के साथ देखना, संवेदनाओं, विचारों और भावनाओं को समता भाव से देखना शामिल है। ध्यान अभ्यासियों का उद्देश्य गहन सजगता ज्ञान प्राप्त करना, खुद को पीड़ा से मुक्त करना और मानसिक स्पष्टता प्राप्त करना है।

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य प्रदूषण से क्षीण होती जा रही मानसिक शांति का ध्यान और योग से समाधान

आज मानवता तकनीकी प्रगति के शिखर पर है, वहीं, दूसरी ओर पर्यावरणीय प्रदूषण और मानसिक असंतुलन की खाई और गहरी होती जा रही है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण कई तरह के तनाव और बीमारियां लोगों को घेर रही हैं। ऐसे में हमें जागरूक होकर योग और ध्यान की तरफ लौटना होगा, तभी हम स्वस्थ रह सकेंगे।

प्रदूषण और मानसिक अशांति का संबंध

जब हम प्रदूषण शब्द सुनते हैं, तो प्रायः हमारी कल्पना में धूल, धुआं, कचरा, रासायनिक अपशिष्ट आदि आते हैं। परंतु प्रदूषण केवल भौतिक वातावरण को ही नहीं, अपितु हमारे मनोविज्ञान और चेतना को भी गहराई से प्रभावित करता है।

1. वायु प्रदूषण : निरंतर जहरीली हवा में सांस लेना न केवल फेफड़ों को प्रभावित करता है, बल्कि मस्तिष्क की कोशिकाओं पर भी दुष्प्रभाव डालता है। अनुसंधानों से सिद्ध हुआ है कि उच्च वायु प्रदूषण वाले क्षेत्रों में तनाव, अवसाद और चिंता की दर अधिक पाई जाती है।
2. ध्वनि प्रदूषण : तेज हॉर्न, मशीनों की आवाजें और शोर-शराबा मानसिक थकावट को जन्म देते हैं। यह नींद में व्यवधान, एकाग्रता में कमी और मूड रिग्स का कारण बन सकता है।
3. सूचना प्रदूषण : आज डिजिटल युग में हर क्षण अनगिनत सूचनाओं से मस्तिष्क भर जाता है। यह भी एक प्रकार का मानसिक प्रदूषण है जो व्यक्ति को अशांत, विचलित और चिंतातुर बना देता है।

इन सभी प्रदूषणों का सीधा प्रभाव हमारे मन और चित्त पर पड़ता है। शूद्ध वायु और शांत वातावरण की अनुपस्थिति में ध्यान, चिंतन, और संतुलित जीवनकठिन हो जाता है।

योग और ध्यान : समाधान की दिशा में सनातन उपाय

योग कोई नया आविष्कार नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा की अमूल्य देन है। यह केवल शरीर को स्वस्थ रखने की विधि नहीं, बल्कि मन, आत्मा और पर्यावरण के बीच समन्वय की साधना है।

1. प्राणायाम और श्वास साधना : वायु प्रदूषण से जब श्वास प्रभावित होता है, तब प्राणायाम और श्वास साधना को शामिल करना चाहिए। जैसे प्राणायाम विधियां फेफड़ों को शूद्ध करती हैं और मस्तिष्क को ऑक्सीजन युक्त करती हैं, जिससे तनाव में कमी आती है।
2. ध्यान : ध्यान एक ऐसी क्रिया है, जहां व्यक्ति बाहरी अराजकता से भीतर की मौनता की ओर यात्रा करता है। नियमित ध्यान से तनाव हार्मोन (कोर्टिसोल) में कमी आती है और डोपामिन, सेरोटोनिन जैसे सुखद हार्मोन का साव बढ़ता है। यह भीतर की शांति को पुनः जागृत करता है।

3. योगिक जीवन शैली :

योग के अनुसार सात्विक आहार, नियमित दिनचर्या, संयम और सदाचार जीवन में मानसिक संतुलन को बनाए रखते हैं। यह न केवल व्यक्ति को शांत करता है, बल्कि उसे प्रकृति के साथ एकात्म अनुभव करता है।

योग में निहित है एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य का भावार्थ

जब तक मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य नहीं होगा, तब तक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं रहेगा। आज की मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन, ये सभी प्रकृति से दूर होते समाज की पीड़ा हैं। ध्यान और योग द्वारा जब व्यक्ति स्वयं से जुड़ता है, तो वह पृथ्वी से भी जुड़ता है। यह 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' का सार है।

निष्कर्ष

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की यह थीम हमें आह्वान करती है कि यदि हमें मानवता और पृथ्वी दोनों को बचाना है, तो हमें अपने मन को शूद्ध करना होगा, अपने जीवन को संतुलित करना होगा। और इसका सबसे सहज और सनातन उपाय है योग और ध्यान।



डॉ. मोनिका हीरा
प्राकृतिक चिकित्सक, योग और आहार विशेषज्ञ

दैनिक जीवन में काम की व्यस्तता, तनाव, असंतुलित आहार आदि के कारण मन और शरीर दोनों स्थिरता नहीं रहती जिसके कारण वर्षों में शैली संबंधी बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। अक्सर जीवन शैली संबंधी बीमारियों से ग्रस्त होने पर भी हम आप अपनी सेहत का ध्यान देना बंद कर देते हैं लेकिन इसका विपरीत जस्तूरत है अपनी सेहत का ख्याल बहुत अच्छे से रखने की। इसकी पूर्ति का मात्र एक संपूर्ण तरीका है योग।

धरती स्वस्थ होगी तो व्यक्ति भी स्वस्थ रहेगा : मन और शरीर दोनों को स्थिर रखने के लिए हर साल 21 जून को विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 21 जून को 11 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जा रहे हैं। हर साल योग दिवस पर एक खास थीम के साथ मनाया जाता है इस साल की थीम है "एक पृथ्वी और एक स्वास्थ्य के लिए योग"। इस थीम का अर्थ है कि हम सब की सेहत इस धरती के स्वास्थ्य से जुड़ी है जब धरती स्वस्थ होगी तो व्यक्ति भी स्वस्थ रहेगा।

जीवन शैली संबंधी बीमारियों को दूर भगाता है योग

जीवनशैली संबंधी बीमारियों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, हृदय संबंधी रोग, डिप्रेशन शामिल

मोटापा कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ाता है। मोटापे को मात देने के लिए सूर्य नमस्कार, गुजरासन, वज्रासन मकर आसन आदि करना आवश्यक है। साथ ही प्रतिदिन कपालभाति, मरिचिका प्राणायाम, कामरी प्राणायाम आदि करना चाहिए। मुद्रा में वरुण मुद्रा व आपान मुद्रा लाभप्रद है। आज की स्थिति में जिस प्रकार जीवनशैली संबंधी रोग बढ़ते जा रहे हैं, वहां यह भी देखा जा रहा है कि लोग आज भी विभिन्न कैमिकल व दवाइयों के द्वारा इन बीमारियों को ठीक करने की कोशिश करते हैं, लेकिन उन्हें असफलता ही प्राप्त होती है।

मोटापा कम करने के लिए करें ये आसन

योग से नियंत्रण संभव

योग में विभिन्न आसन, प्राणायाम, मुद्रा, षट्कर्म आदि के द्वारा इन बीमारियों को नियंत्रण में लाया जाना संभव हो पाया है। मधुमेह जोकि एक मेटाबोलिक डिसऑर्डर है इसमें रक्त में शर्करा की मात्रा बढ़ जाती है। इसे नियंत्रित करने के लिए मुख्य आसन मंडुकासन, शिबमोतानासन, अधस्त्येदासन, गोमुखासन आदि है।

हृदय संबंधी रोग

हृदय संबंधी रोग, व्यक्ति के हृदय व रुधिर वाहिनियों प्रभावित होते हैं। ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर व्यक्ति को श्वासन, बालासन, मकरासन, अधस्त्येदासन, अर्धचक्रासन आदि करे परंतु उसे प्रथम प्राण मुद्रा व आपान मुद्रा करना अत्यधिक लाभप्रद है। हर व्यक्ति जो मोटापा से ग्रस्त है मोटापा कम करने के लिए कई तरह के सप्लीमेंट कैमिकल आदि का प्रयोग कर रहा है।



खबर संक्षेप
डॉलर के मुकाबले रुपया 14
पैसे बढ़कर 86.59 पर बंद



मुंबई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के कमजोर होने से शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे बढ़कर 86.59 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत प्रदर्शन और एफआईआईएल लिवाली ने स्थानीय मुद्रा को और समर्थन दिया।

एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक की अनुपंगी इकाई एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपने 12,500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) के लिए 700-740 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का आईपीओ 25 जून को खुलेगा और 27 जून को संपन्न होगा।

बाजा मार्केट्स ने थाना ओएनडीसी नेटवर्क का हाथ

नई दिल्ली। वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं के एक डिजिटल मंच बाजा मार्केट्स ने बुधवार को 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स' (ओएनडीसी) के साथ अपने एकीकरण की घोषणा की। इस कदम से बाजा मार्केट्स ऐप और इसकी वेबसाइट पर इसके ग्राहकों के लिए सरकारी ई-कॉमर्स मंच ओएनडीसी सुलभ हो गया। यह एकीकरण बाजा फिनसर्व की इकाई बाजा मार्केट्स को ओएनडीसी पर एक खरीदार नेटवर्क भागीदार बनाता है।

एमएंडएस कर रही साइबर उल्लंघन की पड़ताल

मुंबई। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने कहा कि माक्स एंड स्पेंसर इसी सप्ताह हुई साइबर संघर्ष की घटना की जांच कर रही है। टीसीएस ने स्पष्ट किया है कि देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी जांच के दायरे से बाहर है।

कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों के सवालों इसके स्वतंत्र निदेशक केकी मिश्री ने कहा कि कंपनी के किसी भी तंत्र से समझौता नहीं किया गया था और इसके किसी भी अन्य ग्राहक पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

राशिफल

- मेष** किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयाँ आ सकती हैं। बातचीत में संयत रहें।
- वृष** मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे। माता का सान्निध्य मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। आय की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।
- मिथुन** आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कारोबार को गति मिल सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। धैर्यशीलता में कमी आएगी।
- कर्क** किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें।
- सिंह** किसी पतृक सम्पत्ति का लाभ हो सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

कन्या कारोबार के लिए यात्रा लाभप्रद रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। माता का साथ मिलेगा। वाहन सुख में कमी आ सकती है।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। संगीत में रुचि बढ़ सकती है।

वृश्चिक धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कार्यक्षेत्र की स्थिति अनुकूल रहेगी। पिता से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाए रखें।

धनु अति उत्साही होने से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में सम्मान की प्राप्ति होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद रहेंगे। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी।

मकर रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय बढ़ेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। कारोबार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। लाभ में वृद्धि होगी।

मीन नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले तीन दिनों से गिरावट जारी थी शेयर बाजार में गिरावट थमी, सेंसेक्स 1,046 अंक उछला, निफ्टी फिर 25,000 के पार

एजेंसी ►► मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 1,046 अंकों का उछाल आया। वहीं एनएसई निफ्टी फिर से 25,000 के पार पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच वित्तीय, दूरसंचार और प्रौद्योगिकी शेयरों में खरीदारी के चलते शुक्रवार को बाजार में तेजी आई।

निवेशकों ने एक दिन में 4.8 लाख करोड़ रुपए कमाए। कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बीच विदेश से बड़े पैमाने पर सकारात्मक रुझान और विदेशी पूंजी की लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों को समर्थन मिला।

भारी तेजी से निवेशक मालामाल, एक दिन में 4.8 कमाए

बीएसई सूचकांक 1046 अंक उछला
तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,046.30 अंक उछलकर 82,408.17 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,132.62 अंक बढ़कर 82,494.49 पर पहुंच गया था। निफ्टी 319.15 अंक बढ़कर 25,112.40 पर बंद हुआ।

बीएसई के 2463 शेयरों में रही तेजी
बीएसई पर 2,463 शेयरों में तेजी रही, जबकि 1,484 शेयरों में गिरावट आई और 147 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस सप्ताह सेंसेक्स में 1,289.57 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की तेजी आई और निफ्टी 393.8 अंक यानी 0.59 प्रतिशत बढ़ा।



बाजार में तनाव कम होने से हुआ सुधार
जियोजित इन्व्स्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'ईरान के साथ अमेरिका की बातचीत होने की उम्मीद के कारण पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और तत्काल सैन्य कार्रवाई का जोखिम कम होने से शेयर बाजार में तेजी आई। इस घटनाक्रम के कारण कच्चे तेल की कीमतों में सुधार हुआ, जिससे घरेलू बाजारों को लाभ मिला और विदेशी निवेशकों की धारण मजबूत हुई।'

बाजार के धारणा में आया सुधार

रेलिनियर बॉकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शेध) अजीत मिश्रा ने कहा, 'ईरान-इजराइल संघर्ष में नरमी आने के संकेत मिलने वाली खबरों के बाद बाजार की धारणा में सुधार हुआ। अमेरिका ने किसी कार्रवाई में देरी का संकेत दिया, जिससे कच्चे तेल की कीमतें घटीं। इसके अलावा, एफआईआई की लगातार खरीदारी ने बाजार और समर्थन दिया।'

पश्चिम एशिया तनाव का भारतीय कंपनियों पर प्रभाव कम : क्रिसिल

एजेंसी ►► कोलकाता

साख तय करने वाली एजेंसी क्रिसिल रेंटिंग्स ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का फिलहाल भारतीय कंपनियों के वैश्विक व्यापार पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि अगर अनिश्चितताएं बढ़ती हैं, तो कुछ क्षेत्रों पर इसका असर पड़ सकता है। अनिश्चितताओं ने वैश्विक कच्चे तेल के बाजारों को प्रभावित किया है। पिछले एक सप्ताह में ब्रेंट क्रूड 73 से 76 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रहा है। अप्रैल और मई के दौरान, ब्रेंट क्रूड 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ था। रिपोर्ट में कहा गया है कि तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में



और उछाल आ सकता है। इससे तेल उत्पादक कंपनियों को फायदा होगा और रिफाइनरी कंपनियों के मार्जिन में कमी आएगी। क्रिसिल ने कहा कि संघर्ष में शामिल दो देशों... इजराइल और ईरान के साथ भारत का सीधा व्यापार कुल व्यापार का एक प्रतिशत से भी कम है। ईरान को भारत का मुख्य निर्यात बासमती चावल है, जबकि इजराइल के साथ व्यापार अधिक विविधतापूर्ण है।

ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में आ सकती है बाधा

पश्चिम एशिया में अनिश्चितताओं के बढ़ने से ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान आने की संभावना है। विशेष रसायन, पेट, विमान और टायर जैसे कुछ अन्य क्षेत्र इसका प्रभाव महसूस कर सकते हैं।

विदेशी मुद्रा मंडार में 2.29 अरब डॉलर की वृद्धि

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा मंडार 13 जून को समाप्त सप्ताह में 2.29 अरब डॉलर बढ़कर 698.95 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले छह जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा मंडार 2.17 अरब डॉलर बढ़कर 696.65 अरब डॉलर हो गया था। विदेशी मुद्रा मंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, छह जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा मंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आरिस्तियां 1.74 अरब डॉलर बढ़कर 589.43 अरब डॉलर हो गई। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आरिस्तियों में विदेशी मुद्रा मंडार में उछलते हुए यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ब्रॉडकास्ट/फाई) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।



सैंधा नमक के लिए नए बाजार तलाश रहा पाक

कराची। सैंधा नमक की खास किस्म 'हिमालयन पिक सॉल्ट' के निर्यात पर भारत में रोक लगाए जाने के बाद से पाकिस्तान के स्थानीय कारोबारियों ने अब नए बाजार तलाशने शुरू कर दिए हैं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के पाकिस्तान से व्यापारिक संबंध पूरी तरह तोड़ दिए हैं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान इस खास किस्म के सैंधा नमक के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। सैंधा नमक के निर्यातकों को इटका लगा : पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद लगे व्यापार प्रतिबंधों से इस सैंधा नमक के निर्यातकों को इटका लगा है, जिसकी भारत में काफी मांग है। सैंधा नमक और उससे जुड़े उत्पादों की निर्यातक गनी इंटरवेंशनल के वरिष्ठ निदेशक मंसूर अहमद ने कहा, 'भारत पाकिस्तान से इस सैंधा नमक का सबसे बड़ा आयातक रहा है।

इजोन 8 ने कंपनी में तीन फीसदी हिस्सेदारी बेची : नई दिल्ली। ओजो के स्वामित्व वाली सह-कार्य कंपनी इजोन 8 ने कारोबार का विस्तार करने के लिए कंपनी में तीन प्रतिशत हिस्सेदारी 1,000 करोड़ रुपये के मूल्यतक नए निवेशकों को बेच दी है।

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/सं. प्राप्ति/का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	बुद्धने की तिथि/बंद होने की तिथि (समय)	गोप./ईएमपी (रुपया)	बोर्ड/निगम/प्राप्ति की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	डीएचवीओएन हिंसा	आकार 3/सीएसएस185 वर्ग मिमी के एचटी 11 केवी टीआर एक्सएमएपीई यूजी केबल की अधिप्राप्ति	24.06.2025 23.07.2025	54.25 करोड़	www.dhvn.org.in	8059888695 samm@dhnvn.org.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaaprocmnt.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/35848/1/88/6 दि. 20.06.25

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/सं. प्राप्ति/का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	बुद्धने की तिथि/बंद होने की तिथि (समय)	गोप./ईएमपी (रुपया)	बोर्ड/निगम/प्राप्ति की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	नगर पालिका महम	गली स्वीपिंग, ड्रेन क्लीनिंग और झाड़ी जड़ से उखाड़ने के लिए एजेंसी का चयन।	20.06.2025 30.06.2025	डीएनआईटी के अनुरूप	https://etenders.hry.nic.in	9416022295 anurag@nagarpalika.gov.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaaprocmnt.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/35850/1/88/6 दि. 20.06.25

क्र. सं.	कैंट/एच एवं विवरण	ई-कैंट/एच	रैलवे स्टेशन के नाम	रैलवे स्टेशन के नाम
1	03 रेलवे स्टेशन पर ए एवं यूज शौचालय के संचालन एवं रख-रखाव के ठेका	UMB-PnUtoI0525	शिमला (PF No-1A), बडिडा (PF No-5/7), एच घुंरी (PF No-1),	25.06.2025 को 12:00 बजे

ई-नीलामी लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट www.reps.gov.in पर जायें। 1851/2025

प्रगत संगणन विकास केंद्र

CENTRE FOR DEVELOPMENT OF ADVANCED COMPUTING इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

सी-डैक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एम.ई.आई.टी.वाई.) की एक प्रमुख वैज्ञानिक संस्था है, जो राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न अनुसंधान व विकास कार्यों के संपादन में लगी हुई है।

सी-डैक सीधी भर्ती / प्रतिनियुक्ति / समावेण के आधार पर समूह ए तकनीकी पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है:

पद पदों की संख्या प्रारंभिक पोस्टिंग वार्षिक सीटीसी कार्यकारी 2 (नियमित) पुणे व हैदराबाद लगभग रु. 47 लाख प्रति वर्ष

अधिक विवरण और पात्रता शर्तों के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट <https://www.cdac.in> पर जाएं ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि-रोजगार समाचार में प्रकाशन की तिथि से 30वां दिन वि. सं. CORP/GR.A/06/2025

निदेशक (मा.सं.वि)
राष्ट्रीय विकास के लिए प्रौद्योगिकी उन्नति
CBC 06132/12/0012/2526

शब्द पहली - 5904

1	2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14		
15	16	17	18	19	20		
21	22	23	24	25	26	27	
28	29	30	31	32	33		
34	35	36	37	38	39		
40	41	42	43	44	45	46	
47	48	49	50	51	52		
53	54	55	56	57	58		
59	60	61	62	63	64	65	66
67	68	69					

बाएँ से दायें

- 1. बलगम-2
- 3. जाप, मंत्र पाठ-2
- 5. काया, बदन-2
- 7. टाट-बाट-2
- 9. गिरावट, अवन्ति-3
- 11. बुरी आदत-2
- 13. सद्, अच्छा-2
- 15. बंदर-3
- 17. अपशिष्ट पदार्थ-2
- 19. थोड़ा-2
- 22. दबाना, कुचलना-3
- 24. शारीरिक ऊंचाई-2
- 26. आम जनता-2
- 28. पिता के पिता-2
- 30. पक्षाघात, फालिज-3
- 32. मनमौजी, अलमस्त-2
- 34. नवीन-2
- 36. लोच-3
- 38. गाड़ी, घोड़ागाड़ी-2
- 41. बीता हुआ दिन-2
- 43. लेखनी, पेन-3
- 45. अधर-2
- 47. रांडा की प्रेमिका-2
- 49. अप्सरा, परी-2
- 51. गर्भ, कोख-3
- 53. दंड, शिक्षा-2
- 55. पाश, फंदा-2
- 57. परखना-3
- 60. वोट, अभिप्राय-2
- 62. हत्या-2
- 64. तिरस्कृत-3
- 66. शराब-2
- 67. उद्देश्य-2
- 68. टूटी, नलका-2
- 69. अंधकार-2
- ऊपर से नीचे
- 1. प्याला-2
- 2. धर्म आदेश-3
- 4. क्षण, लमहा-2
- 6. गगन, आकाश-2
- 8. सरर, खुमार-2
- 10. पति की बहन-3
- 12. अधकार-2
- 14. शर्म, लजा-2
- 16. पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
- 18. भाग्य (अप्रेजी)-2
- 20. रहस्य-2
- 21. कुर्बान-2
- 23. अनुकृति-3
- 25. जोर, बल-2
- 27. नाखून-2
- 29. दक्षिणा-2
- 31. पकने वाला-3
- 33. परत-2
- 35. भैंस जैसा एक प्राणी-2
- 37. झगड़ा-3
- 39. भूमि, धरा-2
- 40. राहगीर-2
- 42. रक्त-2
- 44. मां का प्रेम-3
- 46. दम-2
- 48. आनंद-2
- 50. छुड़ी-2
- 52. झगड़ना-3
- 54. प्याला-2
- 56. प्यार-2
- 58. असफल-3
- 59. यमराज-2
- 61. पैदा-2
- 63. संपत्ति-2
- 65. सम्राट-2

चांदी 2000 रुपये फिसली और सोना 600 रुपये टूटा



एजेंसी ►► नई दिल्ली

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की बिकवाली से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 600 रुपये टूटकर 99,960 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,00,560 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 550 रुपये टूटकर 99,250 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर रहा। बुधवार को सोने की कीमत 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। शुक्रवार को चांदी की कीमत भी 2,000 रुपये लुढ़क कर 1,05,200 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रही।

अमेरिका ने सोने पर दबाव बनाये रखा

ईरान-इजराइल संघर्ष में अमेरिका की ओर से किसी भी तरह की कमी या गैर-मागोदारी के संकेत सोने पर दबाव बनाए रख सकते हैं। 'उन्होंने कहा, 'दूसरी ओर, नए सिरों से तनाव बढ़ने से कीमतों को समर्थन मिलेगा।'

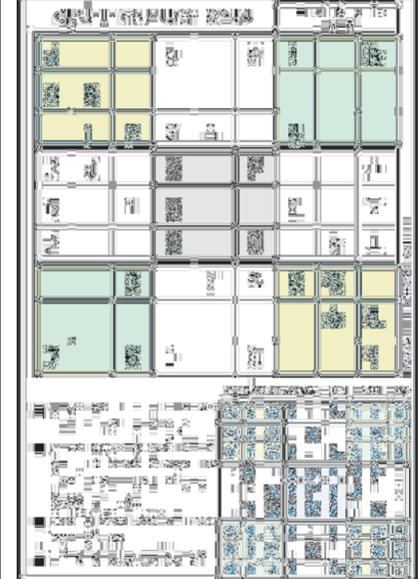
प्रपत्र सं. 3

[नियमन-15(1)(ए) देखें]/16(3)
ऋण वसूली ट्रिब्यूनल चण्डीगढ़ (डीआरटी-2)
प्रथम तल एससीओ 33-34-35, सेक्टर-17 ए, चण्डीगढ़ (तृतीय और चतुर्थ तल पर आवंटित अतिरिक्त स्थल भी) केस नं. : ओए/116/2025 इरक्सएच. नं. : 26510

ऋण वसूली ट्रिब्यूनल (प्रक्रिया) नियमों, 1993 के नियम 5 के उप-नियम (2ए) के साथ पठित अधिनियम की धारा 19 की उप धारा (4) के तहत सम्मन। आईसीआईआई बैंक लिमिटेड बनाम जय सिंह धनखड़ लॉजिस्टिक्स सेवा में, (1) प्रतिवादी सं. 1 - जय सिंह धनखड़ लॉजिस्टिक्स, गांव व डा. मदीना मोहरा मोड, तहसील महम, जिला रोहतक-124001, हरियाणा इसके पॉस्टर जय सिंह के माध्यम से। (2) प्रतिवादी सं. 2, जय सिंह पुत्र मन्फूल, जय सिंह धनखड़ लॉजिस्टिक्स में पॉस्टर, निवासी गांव व डा. मदीना गंधरान (99), रोहतक-124111, हरियाणा। (3) प्रतिवादी सं. 3 - करण सिंह पुत्र मन्फूल, जय सिंह धनखड़ लॉजिस्टिक्स में पॉस्टर, निवासी 1158, हैडक गोदाम के सामने, मदीना गंधरान (99), रोहतक-124111, हरियाणा।

सम्मन

चूंकि, ओए/116/2025 माननीय पीठासीन अधिकारी/जिस्टार के समक्ष 23.05.2025 को सूचीबद्ध किया गया था। चूंकि यह माननीय ट्रिब्यूनल आपके विरुद्ध दायर उक्त आवेदन पर अधिनियम की धारा 19 (4) (ओए) के तहत रु. 40,00,698/- की ऋण वसूली हेतु सम्मन / सूचना जारी करने के लिये संतुष्ट है (दस्तावेजों की प्रतियां इत्यादि सहित आवेदन संलग्न हैं)। अधिनियम की धारा 19 की उप धारा (4) के अनुसरण में आप, प्रतिवादीयों को निम्नानुसार निर्देशित किया जाता है : (i) सम्मन को तामील के तहत अंतर्गत के अंतर कारण बताएं कि आवेदन छूट क्यों न प्रदान कर दी जाए; (ii) मूल आवेदन के क्रम संख्या 3ए के तहत घोषित प्रत्येक परिसर/परिसरों के निपटान अथवा घोषित ऐसी अन्य परिसर/परिसरों और सम्पत्तियों अथवा परिसर/परिसरों का विवरण घोषित करें; (iii) मूल आवेदन के क्रम संख्या 3ए के तहत घोषित प्रत्येक परिसर/परिसरों के निपटान अथवा घोषित ऐसी अन्य परिसर/परिसरों और सम्पत्तियों की सामान्य प्रक्रिया के तहत विज्ञापन प्रकाशित करें और प्रत्येक की घोषित प्रतियां प्रेषित करें; (iv) मूल आवेदन के क्रम संख्या 3ए के तहत अपने व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में जहां किसी परिसर/परिसरों में उसका प्रत्येक हिस्सा है को छोड़कर और/अथवा विनिर्दिष्ट अथवा घोषित अन्य परिसर/परिसरों और सम्पत्तियों को व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया के तहत विज्ञापन प्रकाशित करें और प्रत्येक की घोषित प्रतियां प्रेषित करें; (v) आप प्रत्येक परिसर/परिसरों अथवा अन्य परिसर/परिसरों और सम्पत्तियों को व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया के तहत विज्ञापन प्रकाशित करें और प्रत्येक की घोषित प्रतियां प्रेषित करें। आपको आवेदक के पास भेजी गई इसकी एक प्रति सहित लिखित बयान दायर करने का और 01.08.2025 को पूर्व 10.30 बजे जिस्टार के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश भी दिया जाता है जिसमें विवरण सहित पर आवेदन पर सुनवाई और निर्णय आपकी अनुपस्थिति में कर दिया जाएगा। मेरे हस्ताक्षर व इस ट्रिब्यूनल की मोहर सहित दिनांक : 26.05.2025 को जारी किया गया। सम्मन जारी करने के लिये प्रधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर





एजेसी ►► बंगलुरु

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों की बेहतर स्वास्थ्य के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो गई है। शाह बंगलुरु स्थित अद्विचुंचनगिरी यूनिवर्सिटी के नए कैम्पस के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाए, फिट इंडिया मूवमेंट को शुरूआत की, योग दिवस मनाने की परंपरा शुरू की और मिशन इंड्रधनुष के तहत मुफ्त टीकाकरण अभियान चलाया। 'पोषण अभियान' से माताओं और बच्चों के पोषण की चिंता की गई, 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा दिया गया और प्रधानमंत्री जनऔषधि योजना से सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

2014 तक 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब 780

उन्होंने कहा कि 2014 में देश में केवल 7 एम्स थे, जो अब बढ़कर 23 हो गए हैं। पहले जहां देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब उनकी संख्या 780 हो गई है। एम्सबीएस की सीटें भी 1,18,000 तक पहुंच गई हैं। अमित शाह ने अद्विचुंचनगिरी मठ की भी सराहना की और कहा कि इस संस्था ने अनेक गरीबों और मध्यमवर्गीय परिवारों को अध्येत्य और निःस्वार्थ सेवा से जोड़ा है।

बंगलुरु स्थित अद्विचुंचनगिरी यूनिवर्सिटी के नए कैम्पस के उद्घाटन समारोह में शाह ने कहा



कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया

शाह गुरुवार शाम को कर्नाटक की राजधानी बंगलुरु पहुंचे, जहां भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा से भी मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि बंगलुरु में वरिष्ठ भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा से मुलाकात की।

पीजी सीटें 31,000 से बढ़कर 74,000

गृह मंत्री ने यह भी बताया कि देश में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। पीजी सीटें 31,000 से बढ़कर 74,000 हो गई हैं। यानी हर साल देश में 1,18,000 एम्सबीएस डॉक्टर और 74,000 स्पेशलिस्ट डॉक्टर तैयार हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी, रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमना और अद्विचुंचनगिरी मठ के निर्मालनदत्ता महास्वामीजी भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को इलाज की सहायता दी

शाह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कई साल पहले गुजरात में कहा था कि गरीबों की सबसे बड़ी समस्या बीमारी और उपचार पर खर्च है। सरकार को गरीबों के उपचार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आज मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को हर साल पांच लाख रुपए तक का मुफ्त उपचार करवाया है।

मोदी सरकार ने गरीबों के जीवन में किया बदलाव

शाह ने बताया कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य को लेकर कई पहलें शुरू की हैं, जिनमें 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाना, फिट इंडिया मूवमेंट, योग दिवस, मिशन इंड्रधनुष, पोषण अभियान, आयुष्मान भारत और भारतीय जनऔषधि परियोजना शामिल हैं। उन्होंने कहा, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एक नागरिक को मां के गर्म में जन्म लेने से लेकर पूर्ण नागरिक बनने तक किसी बीमारी का सामना न करना पड़े और यदि वह बीमार होता है, तो उपचार महंगा न हो।

प्रधानमंत्री का ओडिशा और बिहार का दौरा, विपक्ष पर साधा निशाना

मोदी ने अंबेडकर के अपमान पर लालू को घेरा, खुद को उनसे बड़ा दिखाना चाहते हैं

एजेसी ►► पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के फोटो फ्रेम का अपमान करने के लिए लालू यादव को घेरा। पीएम मोदी ने सीवान में गले में नीले रंग का गमछा डालकर संबोधित करते हुए सभा में कहा कि यह लोग कदम-कदम पर बाबा साहेब का अपमान करते हैं। प्रधानमंत्री थे बाबा साहेब अंबेडकर भी बिहार की धरती से राजद प्रमुख लालू यादव के खिलाफ मोर्चा खोला है। उन्होंने लालू यादव पर बाबा साहेब के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि वह (लालू यादव) अपने आप को बाबा साहेब अंबेडकर से भी बड़ा दिखाना चाहते हैं।

इस मसले पर लालू से माफ़ी मांगने की मांग पर पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग कभी माफ़ी नहीं मांगेंगे। उन्होंने कहा कि इनके मन में दलित, महादलित, पिछड़े तथा अति पिछड़े के लिए कोई सम्मान नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम कहते हैं सबका साथ, सबका विकास। लेकिन लालू टटन

10,000 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया



- रेल लाइन का किया उद्घाटन, नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई
- गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत भी शुरू की
- 6,600 मकानों को किया समर्पित, चाबियां भी सौंपी

मोदी सीवान के जसोली से बिहार को 10 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगात दी। पीएम ने बिहार में कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। जिसमें पटना-गोरखपुर वंदे भारत ट्रेन, सीकरेज नेटवर्क, और आवास योजनाएं शामिल हैं। जिसमें सीवान और सासाराम में सीकरेज नेटवर्क, आरा और सीवान में जलापूर्ति परियोजनाएं और पीएम आवास योजना के तहत 53,666 बेडर लोगों को पहली किस्त शामिल है। इसके अलावा, 6684 शहरी गरीब परिवारों को नए घरों की चाबी सौंपी गई।

और पंजे वाले केवल परिवार का साथ, परिवार का विकास कहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इनकी राजनीति का कुल जमा निचोड़ यही है, अपने-अपने परिवारों के हित के लिए यह देश के, बिहार के करोड़ों परिवारों का अहित करने से भी नहीं चूकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर भी इस तरह की राजनीति के बिल्कुल खिलाफ थे।

इसलिए ये कदम-कदम पर उनका अपमान करते हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि अभी पूरे देश ने देखा है कि राजद वालों ने बाबा साहेब की तस्वीर के साथ किस तरह का व्यवहार किया है। बिहार में पोस्टर लगे हैं कि बाबा साहेब के अपमान पर माफ़ी मांगो। लेकिन मैं जानता हूँ, यह लोग कभी माफ़ी नहीं मांगेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि इनके मन में दलित, महादलित, पिछड़े, अति पिछड़े को लेकर कोई सम्मान नहीं है।

भगवान जगन्नाथ की धरती पर आने के लिए ट्रंप के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया: मोदी

भुवनेश्वर (भाषा)। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वाशिंगटन आने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने भगवान जगन्नाथ की पवित्र भूमि ओडिशा आने का विकल्प चुना। भुवनेश्वर में एक रेली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, "मैं जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा में था, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे फोन किया और चर्चा तथा दोपहर के भोजन के लिए वाशिंगटन आमंत्रित किया। मैंने निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि मुझे भगवान जगन्नाथ की भूमि ओडिशा जाना है। मैंने विनम्रतापूर्वक उनके निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया।" विदेश सचिव विरम मिसरी ने मोदी-ट्रंप के फोन कॉल के संबंध में एक बयान में कहा कि मोदी ने मंगलवार को कनाडा से लौटते समय ट्रंप के अमेरिका आने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया था। मिसरी के बयान के अनुसार, मोदी ने कहा कि वह पहले से तय कार्यक्रम के कारण निमंत्रण स्वीकार नहीं कर सकते, और उन्होंने ट्रंप को इस वर्ष के अंत में होने वाले व्लाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया। दोनों नेताओं की कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात होनी थी।

ओडिशा में भाजपा सरकार की पहली वर्षगांठ

कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ के लिए आदिवासियों का इस्तेमाल किया, पूर्ण विकास नहीं होने दिया

मोदी ने ओडिशा में 18,600 करोड़ रुपये से अधिक की 105 परियोजनाओं को शुरू किया। मोदी ने ओडिशा की अपनी यात्रा के दौरान 18,600 करोड़ से अधिक मूल्य की 105 विकास परियोजनाओं की शुरुआत की, 'ओडिशा द्रुति दस्तावेज' का अनावरण किया और नयी ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने 'लक्ष्मि दीदी' सहित कई लोगों को सम्मानित भी किया। मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसने जानबूझकर आदिवासी समुदायों का पूर्ण विकास नहीं होने दिया तथा राजनीतिक लाभ के लिए उनके क्षेत्रों को 'लाल गलियारा' के रूप में पेश करती रही। ओडिशा की भाजपा सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भाजपा ने लोगों की लंबे समय से प्रतिक्षित मांगों को पूरा करते हुए जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार और इसके 'रत्न भंडार' को फिर से खोल दिया है।

जयराम रमेश का मोदी के बिहार दौरे पर तंग

गंगा सफाई चुनावी जुमला बनकर रह गई



नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्षों में गंगा नदी की सफाई सिर्फ एक चुनावी जुमला बनकर रह गई है और यह विषय हर चुनाव से पहले अचानक याद आ जाता है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि राज्य में डबल इंजन की सरकार आम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने में पूरी तरह विफल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधस्पातिवार को बिहार के सिवान जिले में 5,900 करोड़ रुपये से अधिक की 28 विकास परियोजनाओं का शुक्रवार को उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

'एक्स' पर पोस्ट किया

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "विज्ञान-जीवी प्रधानमंत्री एक बार फिर बिहार के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री चाहे जितनी फर्जी घोषणाएं कर लें, चाहे जितने फीते काटकर मुफ्त का दिखावा कर लें, सच्चाई यही है कि बिहार में डबल इंजन की सरकार आम जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह नाकाम रही है।" उन्होंने आरोप लगाया, "बिहार में वलित वगैरे के खिलाफ उत्पीड़न चरम पर है और कांवेस की स्थिति बेहद खराब है, अपराधी बेलगाम हो चुके हैं और आम नागरिक बेवश। हर दिन हत्या, लूट और महिलाओं के खिलाफ हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं।"

मुंबई लोकल ट्रेन हादसा, हाईकोर्ट चिंतित

हर दिन 10 लोगों की मौत गंभीर मामला, कदम उठाएं



2024 में 3588 लोगों की मौत

रेलवे की तरफ से दायर हलफनामे के अनुसार केवल 2024 में 3588 लोगों की जान मुंबई की लोकल ट्रेनों में हादसों में गई है। यानी हर दिन औसतन 10 लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि यह एक बहुत ही चिंताजनक स्थिति है, भले ही आठ वरह रहे हैं कि पिछले वर्षों की तुलना में 49 फीसदी मौतें कम हुई हैं।

9 जून की घटना पर कोर्ट सख्त

कोर्ट ने 9 जून को हुए हादसे का विशेष रूप से जिनक किया, जिसमें मुम्बई स्टेशन के पास एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर 5 यात्रियों की मौत हो गई थी और 8 लोग घायल हुए थे। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की दुखद घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए तुरंत ज़रूरी कदम उठाए जाने चाहिए।

हाई कोर्ट ने दिए सुझाव: लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाए जाएं ताकि लोग चलती ट्रेन से बाहर न गिरे। कोर्ट ने माना कि ये सुझाव तकनीकी विशेषज्ञों की राय के बिना लागू नहीं किए जा सकते। जनहित याचिका (पीआईएन) की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने रेलवे से कहा कि वह उठाए गए कदमों की जानकारी पेश करे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि रेलवे जांच कमेटी की सिफारिशों को रिपोर्ट पर लाए, और ये भी बताए कि इन सिफारिशों को कब और कैसे लागू किया जाएगा। इस मामले में अब 14 जुलाई को फिर सुनवाई होगी।

स्वर्भ संक्षेप

अस्पताल में मनसे का हंगामा, 20 पर केस

ठाणे। नवी मुंबई के एक सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर पोस्टमार्टम विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर हंगामा करने के मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के 20 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कार्यकर्ताओं का एक समूह 17 जून को वाशी नगर अस्पताल में घुस गया और चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय में नारेबाजी की।

दिल्ली मेट्रो में 'सांप' को लेकर मचा बवाल

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लाखों लोगों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने वाली और इस इलाके की लाइफ लाइन कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। गुरुवार को महिला कोच में महिलाएं जोर-जोर से चिल्लाईं। किसान मुआवजा घोटाले में अधिकारी निलंबित

जालना। महाराष्ट्र के जालना जिले में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि में 34.97 करोड़ रुपये के घोटाले में कथित अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल ने बुधस्पातिवार शाम 11 सरकारी कर्मचारियों के निलंबन के आदेश जारी किए।

भवानीपुर में हिरासत को लेकर तनाव

पुलिस ने बंगाल भाजपा प्रमुख मजूमदार और डॉ. बंदोपाध्याय को हिरासत में लिया

भाषा ►► कोलकाता

दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर में शुक्रवार शाम को उस समय तनाव फैल गया जब भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकान्त मजूमदार और लंदन के डॉक्टर रजतशुभ्र बंदोपाध्याय को सड़क किनारे हुई एक संक्षिप्त बातचीत के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया। केंद्रीय मंत्री मजूमदार और बंदोपाध्याय को हिरासत में लिए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। केंद्रीय राज्य मंत्री मजूमदार

पुलिस प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए 'पश्चिमबंग दिवस' (पश्चिम बंगाल दिवस) मनाने के लिए मोटरसाइकिल पर सवार होकर भवानीपुर पहुंचे। उन्होंने श्याम प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फिर बंदोपाध्याय से मिलने के लिए हरीश मुखर्जी



रोड पर स्थित उनके आवास की तरफ बढ़े। जैसे ही मजूमदार का काफिला इलाके के पास पहुंचा, पुलिस अधिकारियों ने उसे रोक लिया और दावा किया कि डॉक्टर घर पर नहीं हैं। हालांकि, इसके तुरंत बाद भाजपा द्वारा सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में बंदोपाध्याय को उनके आवास पर दिखाया गया, जिससे आसपास जमा पार्टी समर्थकों में गुस्सा भड़क गया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने आरोप लगाया कि 5,000 से अधिक 'सोशल मीडिया अकाउंट' कांग्रेस की असम इकाई का प्रचार एवं समर्थन करने के लिए सक्रिय हैं। इनमें से ज्यादातर इस्लामिक देशों से संचालित होते हैं। ये 47 देशों में सक्रिय हैं और इनमें से सबसे अधिक संख्या में सक्रिय 'अकाउंट' बांग्लादेश और पाकिस्तान में हैं।

सबसे ज्यादा 'अकाउंट' बांग्लादेश और पाकिस्तान के सक्रिय

एजेसी ►► गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने आरोप लगाया कि 5,000 से अधिक 'सोशल मीडिया अकाउंट' कांग्रेस की असम इकाई का प्रचार एवं समर्थन करने के लिए सक्रिय हैं। इनमें से ज्यादातर इस्लामिक देशों से संचालित होते हैं। ये 47 देशों में सक्रिय हैं और इनमें से सबसे अधिक संख्या में सक्रिय 'अकाउंट' बांग्लादेश और पाकिस्तान में हैं।



सक्रिय हैं और इनमें से सबसे अधिक संख्या में सक्रिय 'अकाउंट' बांग्लादेश और पाकिस्तान में हैं।

कांग्रेस की असम इकाई के एक विशेष नेता पर 'मेहरबानी' कर रहे

उन्होंने दावा किया कि ये 'अकाउंट' एक महीने से कांग्रेस की असम इकाई के एक विशेष नेता और पार्टी की राज्य इकाई के पेज की गतिविधियों पर खासतौर पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सरमा ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि वे राहुल गांधी या यहां तक कि कांग्रेस के पोस्ट पर भी टिप्पणी या 'लाइक' नहीं करते। वे केवल एक विशेष नेता और कांग्रेस के असम इकाई पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि असम के अलावा वे इस्लामी कट्टरपंथी सामग्री पोस्ट करते हैं जिसमें फलस्तीन, ईरान और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ओर्फेसर मोहम्मद यूनुस संबंधी पोस्ट शामिल हैं।

गोवाई की विवादित टिप्पणी

भाजपा-संघ में अपराधी प्रवृत्ति के लोग, सांप्रदायिक साजिश रच रहे असम कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोवाई ने भाजपा, आरएसएस,



वीएचपी और बजरंग दल पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन संगठनों में कुछ आपराधिक सोच वाले लोग हैं जो चुनाव में जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश करते हैं, ताकि सरकार की नाकामियों से लोगों का ध्यान भटकाना जा सके। गोवाई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा की राजनीति की तुलना मोहम्मद अली जिन्ना से करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री असमिया जिन्ना जैसा व्यवहार कर रहे हैं। कांग्रेस ऐसी जिन्ना टाइप की राजनीति को असम में सफल नहीं होने देगी।

शाह के बयान पर राहुल का पलटवार

भाजपा और संघ नहीं चाहते कि गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे

एजेसी ►► नई दिल्ली

भाषा विवाद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पलटवार किया है। राहुल ने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) नहीं चाहते कि गरीब बच्चे अंग्रेजी सीखें। राहुल ने एक्सप्रेस पोस्ट किया कि अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं - जंजीरें तोड़ने का औजार है। उन्होंने लिखा, ये नहीं चाहते कि वह पढ़-लिखकर सवाल पूछें, आगे बढ़ें



और बराबरी करें। आज के समय में अंग्रेजी उतनी ही ज़रूरी है जितनी आपकी मातृ भाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी और आत्मविश्वास बढ़ाएगी। राहुल ने कहा कि भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजाना है और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है।

चुनाव प्रक्रिया के वीडियो डिलीट करने का निर्देश

फुटेज का इस्तेमाल दुर्भावना व भ्रम फैलाने को किया जा रहा

एजेसी ►► नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान के इलेक्ट्रॉनिक डेटा जैसे वीडियो, सीसीटीवी फुटेज आदि को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के 45 दिन बाद नष्ट कर दें। चुनाव आयोग का कहना है कि उनके वीडियो फुटेज का इस्तेमाल दुर्भावना और भ्रम फैलाने के लिए किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने राज्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि 45 दिन की अवधि के भीतर अदालतों में चुनाव नतीजों को चुनौती नहीं दी जाती है, तो वे 45 दिन के बाद चुनाव प्रक्रिया के सीसीटीवी कैमरा, वेबकास्टिंग और वीडियो फुटेज को नष्ट कर दें।

अधिकारी चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के 45 दिन बाद नष्ट कर दें: ईसी

चुनाव आयोग ने अधिकारियों को पत्र लिखकर दी गानकारी



याचिका नहीं तो डेटा को नष्ट करें

चुनाव आयोग ने अब राज्य चुनाव प्रमुखों से कहा है कि सीसीटीवी डेटा, वेबकास्टिंग डेटा और विभिन्न चरणों में चुनाव प्रक्रियाओं की फोटोग्राफों को 45 दिनों तक ही सुरक्षित रखा जाएगा। आयोग ने कहा है कि अगर किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में कोई चुनाव याचिका दायर नहीं की जाती है, तो उक्त डेटा को नष्ट किया जा सकता है।

चुनाव आयोग ने 30 मई को राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा था कि उसने चुनाव प्रक्रिया के दौरान कई रिकॉर्डिंग उपकरणों - फोटोग्राफों, वीडियोग्राफों, सीसीटीवी और वेबकास्टिंग के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को रिकॉर्ड करने के निर्देश जारी किए हैं। हालांकि चुनाव संबंधी कानून ऐसी रिकॉर्डिंग को अनिवार्य नहीं करते हैं।

45 दिन के अंदर दी जा सकेगी फैसले को चुनौती

कोई भी व्यक्ति 45 दिन में उक्त न्यायालय में चुनाव फैसले को चुनौती दे सकता है। डिस्ट्रिक्ट जज के अलावा सीसीटीवी और वेबकास्टिंग फुटेज, साथ ही उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने चुनाव नियम में बदलाव किया, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। केंद्रीय चुनाव मंत्रालय ने चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले कागजात या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके।

चिंतन

स्वास्थ्य जागरूकता का वैश्विक अभियान योग

आज दुनिया योगमय होगी। संयुक्त राष्ट्र में विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। भारत ने जब 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र में वकालत की थी, तब से अब तक योग दिवस एक अंतरराष्ट्रीय उत्सव व स्वास्थ्य जागरूकता का वैश्विक अभियान बन चुका है। पहला योग दिवस वर्ष 2015 में मनाया गया था। दुनिया ने खुले मन से भारत के योग को अपनाया और अच्छे स्वास्थ्य में योग के योगदान को समझा। भारत 191 देशों में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस अवसर पर शनिवार को विश्वभर के 1,300 से अधिक स्थानों पर 2,000 से अधिक योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों से देश की प्राचीन परंपरा और सौम्य ताकत को प्रदर्शित किया जाएगा। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अनुसार, पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग भी इस अवसर पर इस्लामाबाद में योग कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। आईसीसीआर ‘योग बंधन’ नामक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित कर रही है, जिनमें ब्राजील, अर्जेंटीना, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, श्रीलंका, इंडोनेशिया, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया सहित 15 देशों के 17 योग गुरुओं और प्रशिक्षकों को भागीदारी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की थीम ‘एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग’ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में होगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भी देशभर में 81 स्मारक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद के निकट प्रतिष्ठित बावड़ी ‘अडालज वाव’ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। 21 जून को सभी एएसआई स्थलों पर जनता के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। हजारों प्रतिभागी ऐतिहासिक स्थलों जैसे पुराना किला (दिल्ली), गोल गुम्बज (कर्नाटक), कोणार्क सूर्य मंदिर (ओडिशा), चित्तौड़गढ़ किला (राजस्थान), एलोफेटा गुफाएं (महाराष्ट्र) और एएसआई के 76 अन्य स्थलों पर योग का अभ्यास करने के लिए एकत्रित होंगे। संस्कृति मंत्रालय आज देशभर में 100 प्रसिद्ध स्थलों और 50 अन्य सांस्कृतिक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा, जिनमें यूनेस्को के कुछ विरासत स्थल भी शामिल हैं। यूनेस्को के जिन विश्व धरोहर स्थलों में योग सत्र आयोजित किए जाएंगे, उनमें चराईवेद मोइसम (असम), रानी की वाव और धोलावीरा (गुजरात), हम्मी और प्टाडकल (कर्नाटक), खजुराहो स्मारक समूह और सांची स्तूप (मध्य प्रदेश), कोणार्क का सूर्य मंदिर (ओडिशा), एलोफेटा गुफाएं (महाराष्ट्र) और तंजावुर का वृहदीश्वर मंदिर (तमिलनाडु) शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक, प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल जैसे गोलकुंडा किला और सालारजंग संग्रहालय (हैदराबाद), हुमायूं का मकबरा, पुराना किला और सफदरजंग मकबरा (दिल्ली), जलियांवाला बाग (पंजाब), चित्तौड़गढ़ और कुम्भलगढ़ किले (राजस्थान), लहं पैलेस (लद्दाख), परी महल (श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर), बेकल किला (केरल), और हजारों छोटी-थोटी कूच बिहार पैलेस (पश्चिम बंगाल) जैसे अन्य स्थलों पर भी योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। कोरोना के बाद योग ने लोगों को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाई है। आज योग लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा है। देश के अनेक योग मनीषियों ने इसे आम लोगों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाई है। आज हम योग को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें।

दिवस विशेष
श्वेता गोयल



वैश्विक संकटों के दौर में जीवन का संबल है योग

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में जब तनाव, अवसाद, चिंता और रोगों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, तब योग न केवल एक शारीरिक अभ्यास के रूप में बल्कि मानसिक और आत्मिक शांति का मार्ग बन चुका है। वर्ष 2025 में ‘एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग’ की थीम के साथ जब 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है तो यह अवसर पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि योग स्वास्थ्य, संतुलन और आत्म-साक्षात्कार के लिए एक सार्वभौमिक समाधान है। योग अब केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं रहा बल्कि विश्व स्तर पर यह एक व्यापक स्वास्थ्य पद्धति के रूप में स्वीकार किया जा चुका है। विश्व के 170 से अधिक देशों में 21 जून को योग दिवस मनाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि योग ने जाति, धर्म, राष्ट्र की सीमाओं को लांघकर मानवता को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया है। योग के नियमित अभ्यास से केवल शरीर ही नहीं बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा भी संयमित होती है। शरीर को योगमुक्त रखने, मानसिक विकारों को नियंत्रित करने और ऊर्जा के संतुलन को बनाए रखने के लिए योग जितना सरल है, उतना ही गहन भी। यह प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली आज के वैज्ञानिक युग में भी एक भरोसेमंद चिकित्सा विकल्प के रूप में प्रतिष्ठित हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से जब 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस के प्रस्ताव को केवल 90 दिनों में 177 देशों के समर्थन के साथ पारित किया गया था तो यह स्पष्ट था कि योग अब वैश्विक मानवता के स्वास्थ्य और कल्याण का पथ बन चुका है। आज एक वैश्विक ओडोलन का रूप ले चुका है, जिसका उद्देश्य है स्वास्थ्यपूर्ण जीवन, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति। योगासनों और प्राणायाम की विधियां शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने की सबसे सहज और सुलभ प्रणाली हैं। प्राचीन ऋषियों द्वारा रचित यह प्रणाली केवल आसनों तक सीमित नहीं बल्कि जीवनशैली में संतुलन का विज्ञान है। आधुनिक विज्ञान भी अब इस बात को स्वीकार कर चुका है कि योग तनाव से राहत, रक्तचाप नियंत्रण, श्वसन क्रिया सुधार, इम्युनिटी बूस्ट और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में अत्यंत उपयोगी है। विभिन्न योगासन जैसे भुजंगासन, सर्वांगासन, ताड़ासन, हलासन, त्रिकोणासन, धनुरासन, मकरासन, मंडूकासन, पश्चिमोत्तानसन, पवनमुक्तासन, नौकासन, गोमुखासन, उट्टासन, विश्रामासन इत्यादि न केवल शारीरिक बल प्रदान करते हैं बल्कि शरीर के अंगों को सुचारू रूप से कार्य करने में भी सहायता करते हैं। योग गुरुओं का भी यह मानना है कि योग केवल एक स्वास्थ्य पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है। योग हमें यह सिखाता है कि जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं बल्कि आंतरिक सुख और मानसिक संतुलन ही असली सफलता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी अब योग के प्रभावों को स्वीकार करता है। अमेरिका, यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में योग अब चिकित्सीय दृष्टिकोण से अपनाया जा रहा है। विशेष रूप से मानसिक रोग, अवसाद, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मोटापा, थकान, नींद की कमी, थायरॉयड, मधुमेह और यहां तक कि कैंसर तक के मामलों में योग को सहायक चिकित्सा के रूप में अपनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, योग से न केवल रोगों की रोकथाम होती है बल्कि यह व्यक्ति को एक बेहतर मानव बनने की दिशा में भी अग्रसर करता है। योग से आत्म-अनुशासन, संयम, सहनशीलता और शांति का विकास होता है। जब व्यक्ति भीतर से शांत और संतुलित होता है, तभी वह समाज और विश्व में भी शांति और संतुलन ला सकता है। इसीलिए योग केवल एक व्यक्तिगत अभ्यास नहीं बल्कि सामाजिक और वैश्विक स्वास्थ्य की दिशा में एक क्रांतिकारी परिवर्तन है। हर व्यक्ति को न केवल अपने स्वास्थ्य के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानवता की बेहतरी के लिए योग अपनाना चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि योग को महज योग दिवस तक सीमित न रखते हुए उसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 11वां वर्षगांठ एक बार फिर हमें यह याद दिलाती है कि शरीर और मन दोनों के स्वास्थ्य के लिए योग अनिवार्य है। योग को जीवनशैली में शामिल कर हम न केवल बीमारियों से दूर रह सकते हैं बल्कि अपने अंदर की ऊर्जा को भी पुनः जाग्रत कर सकते हैं। इसलिए, आइए, इस योग दिवस पर हम सब यह संकल्प लें कि न केवल स्वयं के बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में योग को शामिल कर हम एक स्वस्थ, समृद्ध और शांतिपूर्ण विश्व की ओर कदम बढ़ाएं।

(लेखक शिखर क्षेत्र से जुड़ी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



योग दिवस अखिलेश आर्येन्दु

योग दिवस अखिलेश आर्येन्दु

वैदिक दर्शन के सबसे महत्वपूर्ण, उपयोगी और सर्वहितकारी हिस्से के रूप में योगासन, ध्यान, ज्ञान और अध्यात्म-विज्ञान बताया गया है। शास्त्रकारों के मुताबिक योग ऐसी जीवन-क्रिया व पद्धति है जिसका महत्व और उपयोग जाग्रत अवस्था में तो है ही, नींद और समाधि लगाने के समय भी है। सेहतमंद रहने का इससे बेहतर उपाय दूसरा कोई नहीं है। ऋषि पतंजलि ने इसे वेद से निकालकर योगदर्शन के जरिए इसका विस्तार किया और इसे सर्वसुलभ, सर्वहितकारी, सर्वगुणात्मक और परम व्यावहारिक बना दिया। शरीर की सारी क्रियाएं और जीवन-व्यवहार पूरी तरह संतुलित होता है, वह व्यक्ति सेहतमंद है और जो सेहतमंद है वही सुखी है।

योग ने सिखाया जीने का तरीका

आज योग दिवस दुनियाभर में मनाया जा रहा है। बेहतर सेहत, सुख, शांति और मूल्यपरक जिंदगी जीने का तरीका योग के जरिए ही सीखा जा सकता है। यही वजह है कि 21वीं शताब्दी में बेहतर सेहत, वैचारिक शांति और मन में शांति की सुलभता के मद्देनजर योगासन और ध्यान की पद्धतियों, इसकी उपयोगिता और फायदे को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होती आई है। वैदिक दर्शन के सबसे महत्वपूर्ण, उपयोगी और सर्वहितकारी हिस्से के रूप में योगासन, ध्यान, ज्ञान और अध्यात्म-विज्ञान बताया गया है। शास्त्रकारों के मुताबिक योग ऐसी जीवन-क्रिया व पद्धति है जिसका महत्व और उपयोग जाग्रत अवस्था में तो है ही, नींद और समाधि लगाने के समय भी है। सेहतमंद रहने का इससे बेहतर उपाय दूसरा कोई नहीं है। ऋषि पतंजलि ने इसे वेद से निकालकर योगदर्शन के जरिए इसका विस्तार किया और इसे सर्वसुलभ, सर्वहितकारी, सर्वगुणात्मक और परम व्यावहारिक बना दिया। अक्षरों को शब्दों में और शब्दों को श्लोकों के माध्यम से जन-जन को उपलब्ध कराकर शरीर, मन, प्राण, आत्मा और चेतना को पवित्र, शक्तिशाली, निरोग और जाग्रत कर दिया। वैदिक ऋषि परम्परा में मानव जीवन की पूर्णतः के लिए जो चार पुरुषार्थ बताए गये हैं उनमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष हैं।

अष्टांग योग के जरिए इन चारों पुरुषार्थों को जिंदगी का हिस्सा बनाकर जीवन को पूर्णता दिलाई जा सकती है। ये चारों पुरुषार्थ वैदिक धर्म ग्रंथों में वर्णित हैं, लेकिन दूसरे महजबो किताबों में इसे अलग तरह से समझाया गया गया है। इसलिए विश्व ने जब 21 जून 2015 को योग दिवस मनाना शुरू किया तो उसे कोई विशेष समस्या नहीं हुई। क्योंकि योगासन शरीर, मन और आत्मा के सेहतमंद होने का सूत्र, विधि और क्रिया हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद और उपयोगी लगी। आज दुनिया के तकरीबन 200 देश योगासन और ध्यान को तमाम विधियों को अपना चुके हैं। भारत योग के जरिए फिर विश्व गुरु बनने की राह पर आगे बढ़ चुका है। एक दशक में दुनिया का हर इंसान योग को अपने लिए सुखदायी और शांतिपरक अनुभव कर रहा है। उपनिषदों में मानव को जिन आदर्शों के साथ सार्थक जीवन जीने का उपादेश दिया गया है, उनके सूत्र के रूप में ‘असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय और मृत्यूमां अमृतम गमय है, इन्हें जानना जरूरी है। योगदिवस को विश्व स्तर पर मनाने का प्रयोजन यह भी रखा गया कि इसके जरिए विश्व सभी लोग आपस में जुड़ेंगे ही नहीं बल्कि हर तरह की जटिलाओं, समस्याओं, बीमारियों और संकटों से मुक्त होकर जीवन को सौ से भी अधिक वर्ष तक जीने के लिए

खुद को तैयार करेंगे। वैदिक परंपरा सनातन और चिर नवीन कही जाती है। इस परंपरा में योग सहित जितना वैदिक ज्ञान उपलब्ध है वह जितना पुरातन है उतना ही चिर नवीन भी। महर्षि चरक ने मन को इंद्रिय एवं विषयों से अलग होकर आत्मा में स्थिर होना योग कहा है। वशिष्ठ संहिता के अनुसार मन को शांत करने का सबसे बेहतर तरीका योग के जरिए ही जाना जा सकता हैं। अमरकोश में योग को ध्यान और संगति का वाचक माना गया है। भगवान कृष्ण गीता में कहते हैं, समत्वं योग उच्यते, यानी कर्म की सफलता और असफलता में निष्काम भाव से कर्म करना योग है। आधुनिक जीवनशैली अर्थप्रधान



होने की वजह से हम खुद पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। इसलिए शरीर, मन, प्राण व आत्मा सभी स्तरों पर हमारा संतुलन बिगड़ा रहता है। आयुर्वेद के अनुसार देश-दुनिया का हर व्यक्ति किसी न किसी बीमारी या परेशानी से जूझ रहा है। अपनी समस्याओं का हल वह खुद से खुद में न ढूंढकर किसी अस्पताल या डॉक्टर के जरिए ढूंढता रहता है यानी जीवन में द्वंद के हालात हमेशा बने रहते हैं। इन हालात से बिना किसी आर्थिक दबाव के निपटने के लिए योगासन-ध्यान से बेहतर कोई उपचार या समाधान नहीं है। हमारी जिंदगी समस्याओं का पिटाया बन गई है। ये समस्याएं या दुश्कारियां योग-साधना के जरिए बेहतर तरीके से खत्म या कम की जा सकती हैं। अष्टांगयोग के जरिए शारीरिक, मानसिक, आत्मिक, पारिवारिक व सामाजिक समस्याओं या परेशानियों से मुक्त हुआ जा सकता है। शरीर सभी साधनों और साध्यों (उद्देश्यों) का आधार है। और शरीर, मन, प्राण को सेहतमंदक, पवित्र, तन्दुरुस्त और संतुलित होना जरूरी है, क्योंकि सभी समस्याएँ इनके सेहतमंद होने से ही मिल सकती हैं। आयुर्वेद के अनुसार जिसका वात, पित्त व कफ संतुलित है, जटराग्नि भी संतुलित हो, शरीर को धारण करने वाली सात धातुएं-रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा और वीर्य

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

अनुबंध चतुष्टय में ‘अधिकारी’ को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना। सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, वह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शाश्वत में विशेष महत्व दिया गया है। वेदान्त में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काय्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसको बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, इसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गई शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

अंतर्मन



करंट अफेयर

दक्षिण अफ्रीका में योग दिवस मनाया जाएगा

दक्षिण अफ्रीका में शनिवार को हजारों योग प्रेमी ‘अंतरराष्ट्रीय योग दिवस’ (आईडीवाई) के अवसर पर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल ‘क्रेडल ऑफ ह्यूमनकाइंड’ में एकत्र होंगे। इस आयोजन में योग विशेषज्ञ भी भाग लेंगे। जोहानिसबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूत महेश कुमार ने कहा, “यह स्थल सांस्कृतिक और मानव इतिहास की दृष्टि से अत्यंत मूल्यांकन है। यहां योग दिवस मनाना प्राचीन भारतीय दर्शन और मानवता एवं प्रकृति के साथ सामंजस्य की भावना को दर्शाता है। कुमार ने पिछले वर्ष वांडरर्स स्टेटेडियम में योग दिवस का नेतृत्व किया था, जहां 8,000 से अधिक लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, “ ‘योग’ संस्कृत शब्द ‘युज्’ से निकला है, जिसका अर्थ है ‘जोड़ना’। यह मन, शरीर और पर्यावरण के बीच संतुलन को दर्शाता है।” आईडीवाई के 11वें संस्करण से पहले, भारतीय उच्चायोग और इसके कर्मचारियों ने प्रिटोरिया, जोहानिसबर्ग और डरबन में कई स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए हैं।



तरह, आग की अधिकांश गर्मी अदृश्य तरंगों के माध्यम से सीधे कैम्य फायर से आपके शरीर तक पहुंचती है। गर्म, घुप वाले दिन में, अच्छा इन्सुलेशन और डबल-फलक वाली खिड़कियां एयर कंडीशनिंग के लिए कम गर्मी का हस्तांतरण करती हैं, जिससे इमारत के अंदर का औसत तापमान हवा के तापमान के कुछ डिग्री के भीतर रहता है। गर्म सतहों के कारण छेटी इमारतें, जैसे कि मोडर्न घर, छोटे घर, शिफिंग कंटेनर और अपार्टमेंट में बदल गए गैरेज, अक्सर थर्मोस्टेट सेटिंग की परवाह किए बिना असहज महसूस करते हैं।

धन कमाने के साथ भक्ति भी करें

एक दिन कबीरदास अपना काम कर रहे थे। काम करते समय वे भगवान का ध्यान भी कर लेते थे। पूरे दिन कबीरदास ऐसा ही करते थे। एक व्यक्ति उन्हें कई दिनों से देख रहा था। उसने कबीरदास से पूछा कि आप भक्त हैं, लेकिन आपको अलग से भक्ति करते हुए मैंने नहीं देखा। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति की बात सुनी और कहा कि इस प्रश्न का उत्तर मैं दूंगा, लेकिन अभी तुम मेरे साथ चलो। हम थोड़ा घूम आते हैं। रास्ते में उन्हें एक महिला दिखाई दी। वह महिला पानी भरकर लौट रही थी। उसके सिर पर पानी से भरा मटका रखा था और वह अपनी मस्ती में गीत गाते हुए जा रही थी। उस महिला ने मटके को पकड़ा भी नहीं था। उसके सिर पर मटका स्थिर था और उसका पानी भी नहीं छलक रहा था। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति से कहा कि ये महिला पानी लेकर जा रही है। सिर पर मटका रखा है, लेकिन उसने मटके पकड़ा भी नहीं है और गीत गाते हुए जा रही है। इसका ध्यान अपने मटके पर है, गाने पर भी है और रास्ते पर भी है। कबीर जी ने उस व्यक्ति को आगे समझाया कि इस महिला की तरह ही मैं भी काम करते-करते भगवान का ध्यान कर लेता हूं, भक्ति कर लेता हूं। दुनियादारी के काम करते हुए भी मेरा मन भगवान की भक्ति में ही लगा रहता है। मैं ये काम भी कर लेता हूं और भक्ति भी कर लेता हूं। ठीक इसी तरह जीवन में संतुलन बहुत जरूरी है। हमें धन भी कमाना चाहिए और भक्ति भी करते रहना चाहिए।

ट्रेंड

समृद्धि-यात्रा

जब सुरक्षा का बेहतर माहौल और अरब डॉलरदरकार होता है, तब दुनिया की कोई ताकत आपकी समृद्धि के मार्ग को रोक नहीं सकती। आज प्रदेय के हर जनपद में समृद्धि-यात्रा देखने को मिल रही है। गोरखपुर लिक एक्स्प्रेस-वे उल्लास उदरघरण है।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

जनसहभागिता

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के संस्कार, भारत की जीवनशैली, सांस्कृतिक धरोहर और आंतरिक चेतना को पूरे विश्व को प्रेरित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। 21 जून को जब पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाएगा, तब हम दिल्लीवासी इस उत्सव को पूर्ण जनसहभागिता से गारपूर बनाएंगे।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

अंग्रेजी भाषा जरूरी

बीजेपी नहीं चाहती कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे - क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप खाली सूँटे, आगे बढ़े, बढावदी क्रेते। आज अंग्रेजी नी मातृभाषा बितानी जरूरी है क्योंकि वही योगांतर दिलाएगी।

-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

एक कॉमन भाषा हो

अगर देश को जोड़ना है। लोगों को एकजुट करना है, तो देश ने एक कॉमन भाषा होनी चाहिए जिसे हर कोई समझ सके, उसको वातांता कर सके। इसको कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि इस कलौटी पर हिंदी एक ही भाषा फिट बैठती है और वो है- सिर्फ़।

-मुकेश खन्ना, अभिनेता

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001
फोन- 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

विचार हरिभूमि 6

Dr. Juneja's®

पेट सफा

Natural Laxative Granules & Tablets

कब्ज़, गैस, एसिडिटी

अगर आप भी कब्ज़, गैस, एसिडिटी जैसी समस्या से परेशान है तो आज ही लीजिए, पेट सफा ग्रेन्यूल्स/टैबलेट्स। यह मुंह में चिपकता नहीं। सोने से पहले खाएं और आराम पाएं।



Provides Effective Relief
Balances Digestive Health
Ayurvedic Proprietary Medicine

Divisa
www.divisastore.com

Clinically Tested*
*For efficacy and safety.

24x7 Helpline: 91197 88888
www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores

स्वर्भ्रम संक्षेप

प्लेन क्रैश हादसा: 202 पार्थिव शरीर सौंपे गए
अहमदाबाद। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने बताया कि एअर इंडिया प्लेन क्रैश मामले में डीएनए मिलान से शवों की पहचान की जा रही है। अब तक 220 शवों की पहचान हो गई है और उनमें से 202 के पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इन 202 पीड़ितों में 160 भारतीय शामिल हैं, जिनमें से 151 यात्री थे, सात पुर्तगाली नागरिक, 34 ब्रिटिश नागरिक और एक कनाडाई नागरिक थे। 15 शवों को हवाई मार्ग से उनके घरों पर भेजे गए, जबकि 187 शव सड़क मार्ग से ले जाए गए। बचे हुए शवों की पहचान की जारी है।

कनाडा के कैलीगरी विवि में भारतीय छात्रा की मौत

वैक्यूव। कनाडा के कैलीगरी विश्वविद्यालय में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी की अचानक मौत हो गई है। यह जानकारी वैक्यूव स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को दी। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मृत कैलीगरी विश्वविद्यालय में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी के आकस्मिक निधन से गहरा दुःख हुआ है।

85 चीनी नागरिकों को निर्वासित किया गया

कोलंबो। श्रीलंका में साइबर अपराध के मामले में दोषी पाए गए 85 चीनी नागरिकों को देश से निर्वासित कर दिया गया है। कोलंबो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मध्य प्रांत के कुदसाले कस्बे में साइबर अपराध गतिविधियों में लिप्त 22 महिलाओं समेत 130 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के कब्जे से 200 से अधिक मोबाइल फोन, 100 से ज्यादा लैपटॉप और अन्य सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण जब्त किए गए। 130 आरोपियों में से 122 को अदालत के आदेश के बाद आब्रजन हिरासत केंद्र में भेजा गया था, 7 आरोपी फरार हो गए।

मोजर बियर: उद्योगपति रतुल पुरी और अन्य बैंक धोखाधड़ी में आरोपमुक्त
नई दिल्ली। यहां की अदालतों ने कुल 1,101 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी के दो मामलों में उद्योगपति रतुल पुरी को आरोप मुक्त कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अदालतों ने कहा कि मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दखिल किये गए आरोप पत्र के साथ प्रस्तुत साक्ष्यों में कोई अपराधिकता नहीं पाई गई।

‘इंडिया ग्लोबल फोरम’ के ‘फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम’ के सत्र में बोले ब्रिटेन के मंत्री विज्ञान और तकनीक में भारत एक उभरता खिलाड़ी, भारत के साथ संबंधों को दें मजबूती

ब्रिटेन अपनी नई औद्योगिक नीति में भारत को प्राथमिकता देगा
भारत की ‘परिवर्तनकारी स्वास्थ्य समाधानों’ की सराहना की

एजेसी ॥ नई दिल्ली
ब्रिटेन के विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार मंत्री लॉर्ड पैट्रिक वैलेंस ने कहा है कि भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से उभरता एक सशक्त खिलाड़ी बन रहा है और ब्रिटेन को भारत के साथ अपने वैज्ञानिक व शैक्षणिक संबंधों को और गहराई देनी चाहिए। यह बात उन्होंने लंदन स्थित साइंस म्यूजियम में आयोजित ‘इंडिया ग्लोबल फोरम’ के ‘फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम’ के एक सत्र में कही, जिसका विषय था ‘एक नई नवाचार युग के लिए यूके-भारत सहयोग को सशक्त बनाना’। लॉर्ड वैलेंस ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच पहले से ही मजबूत संबंध हैं और यह लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन केवल सरकार-स्तर के रिश्ते ही सब कुछ नहीं करते, असली प्रेरणा वैज्ञानिकों के बीच संवाद और सहयोग से मिलती है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन सरकार ग्लोबल टैलेंट वीजा के जरिए उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही को बढ़ावा देना चाहती है और भारत के साथ विभिन्न क्षेत्रों में पूरक क्षमताओं का लाभ उठाने की आवश्यकता है।

फोरम में भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन के बीच किया गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में बहुआयामी लाभ देता है। एक एफटीए पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि दोनों देश मित्र हैं, साझेदार हैं और एक-दूसरे पर विश्वास करते हुए मिलकर काम करने को तैयार हैं। ‘पिचर्स एंड पंटर’ नामक सत्र में भारत के उभरते स्टार्टअप से अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के पैलल के सामने अपने आईडिया पेश किए।

भारत के साथ सहयोग की प्राथमिकताएं तय करें
मंत्री लॉर्ड पैट्रिक वैलेंस ने कहा कि ब्रिटेन की सरकार जल्द ही अपनी नई इंडस्ट्रियल स्ट्रेटीजी (औद्योगिक रणनीति) जारी करने वाली है, जो भारत के साथ भविष्य के सहयोग की प्राथमिकताएं तय करेगी। लॉर्ड आरा डाजी, ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विसेस (एनएचएस) की महत्वपूर्ण समीक्षा के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने भारत की परिवर्तनकारी स्वास्थ्य समाधानों की सराहना की और कहा कि यह एक ऐसा बौद्धिक और उत्पादन-सामर्थ्य है, जिसके साथ ब्रिटेन को साझेदारी करनी चाहिए।

भारत और ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करेंगे

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिटेन की अपनी यात्रा के दौरान कई शीर्ष ब्रिटिश अधिकारियों और उद्योग जगत के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने फाइनेंशियल फ्रेमवर्क और एआई जैसी उभरती तकनीकों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने ब्रिटेन में चांसलर ऑफ दि एक्सचेंज रेवेन रीव्यू से मुलाकात की और भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए फाइनेंशियल फ्रेमवर्क, सरटेनेबल फाइनेंस और नए व्यापार अवसरों



को पेश करने में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने ब्रिटेन स्थित बिजनेस फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म टाइड के सीईओ ऑलिवर पिल के साथ भी महत्वपूर्ण चर्चा की। पीयूष गोयल ने कहा कि डिजिटल दुनिया में भारत की प्रगति के साथ, हमने फिजिकल इकोसिस्टम, डिजिटल सशक्तिकरण और दोनों अर्थव्यवस्थाओं में एक्सचेंज के नेतृत्व वाली वृद्धि को बढ़ावा देने पर चर्चा की।

साइंस और टेक्नोलॉजी में करेंगे सहयोग

मंत्री गोयल ने लंदन के फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम में साइंस म्यूजियम ग्रुप के निदेशक और मुख्य कार्यकारी सर इयान ब्लैकफोर्ड से भी बातचीत की। गोयल ने कहा कि डिजिटल इफ़ाक्टिव और इनोवेशन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे दुनिया हमारी कुशल प्रतिभा, लागत प्रभावी समाधानों और एआई और उभरती टेक्नोलॉजी में बढ़ती क्षमताओं से लाभान्वित हो सकती है। सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-ब्रिटेन एफटीए की क्षमता को रेखांकित किया।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल ने निर्भाई निर्णायक भूमिका

एजेसी ॥ देहरादून
भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने विदेशी और स्वदेशी हथियारों के बेहतरीन संयोजन का इस्तेमाल किया, जिसमें स्वदेशी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस को उन्होंने ‘गेम-चेंजर’ करार दिया।

रक्षा सचिव ने कहा कि हमने विदेशी और स्वदेशी हथियारों का प्रभावी मिश्रण इस्तेमाल किया। स्वदेशी हथियारों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, और ब्रह्मोस ने तो अद्भुत काम किया। आप इसे एक गेम-चेंजर कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान हथियारों के विभिन्न प्रकारों का तालमेल और सेना की समन्वित रणनीति बेहद सफल रही। ब्रह्मोस के साथ-साथ आकाश मिसाइल ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। पुराने एअर डिफेंस सिस्टम के रेडार से अपग्रेड करके ड्रोन और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों के खिलाफ उनकी क्षमता को बेहतर बनाया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं इस ऑपरेशन के लिए पूरी तरह तैयार थीं। उनके पास आवश्यक प्रिसिजन स्ट्रैंडऑफ वेपनस थे और उनका आत्मविश्वास भी मजबूत था।

अहमदाबाद हादसे के बाद एयर इंडिया की बुकिंग 20 प्रतिशत घटी
फिखले सप्ताह विमान दुर्घटना के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर एयर इंडिया की उड़ानों की बुकिंग में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। इंडियन एरलाइंस एजेंसी ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के अध्यक्ष रवि गोसाईं ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान एयरलाइन के औसत किराए में आठ से 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने इस बारे में पूछे जाने पर कुछ भी कहने से मना कर दिया। फिखले सप्ताह 12 जून को 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान एआई-171 अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। शहर के मेधापीनगर क्षेत्र में उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान एक मेडिकल कॉलेज परिसर पर गिर गया।

दिल्ली से पुणे के लिए रवाना हुए एअर इंडिया के विमान से पक्षी टकराया, वापसी की उड़ान रद्द
मुंबई (भाषा) दिल्ली से पुणे के लिए रवाना हुए एअर इंडिया के विमान से शुक्रवार को एक पक्षी के टकरा जाने के बाद विमान कंपनी को इसकी वापसी की यात्रा रद्द करनी पड़ी। विमान कंपनी ने एक बयान में कहा कि विमान पुणे में सुरक्षित उतर गया और उसके बाद ही पक्षी के टकराने की बात पता चली। एअर इंडिया ने कहा कि विमान को खड़ा कर दिया गया है और इंजीनियरिंग टीम विस्तृत जांच कर रही है। उसने कहा, “20 जून को पुणे से दिल्ली की उड़ान संख्या एआई2470 को पक्षी के टकराने के कारण रद्द कर दिया गया है।”

महारत्न कंपनी एचएल को मिली बड़ी कामयाबी इसरो से मिली एसएसएलवी बनाने की पूरी टेक्नोलॉजी

एजेसी ॥ बंगलुरु
भारत में डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर की बड़ी सार्वजनिक कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) बनाने की 511 करोड़ रुपये की बोली जीत ली है। इसी के साथ हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने एसएसएलवी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर हासिल कर लिया है। स्पेस रेगुलेटर-कम प्रमोटर, इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड अर्थोराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। इन-स्पेस के अध्यक्ष डॉ. पवन गायनका ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी स्पेस एजेंसी ने किसी कंपनी को कम्प्लीट लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की है। एचएएल के पास अब स्वतंत्र रूप से एसएसएलवी लॉन्च बनाने, इस पर मालिकाना हक रखने और कर्मशिलयाइज करने की क्षमता होगी। गायनका ने इस डील को भारत की महत्वाकांक्षी 44 बिलियन डॉलर की स्पेस इकोनॉमी के लिए महत्वपूर्ण बताया। बता दें कि भारत का लक्ष्य 2022 में 8.4 बिलियन डॉलर की अपनी स्पेस इकोनॉमी को साल 2033 तक बढ़ाकर 44 बिलियन डॉलर करना है।

नो से पहले छह कंपनियां शॉर्टलिस्ट की गईं
इन-स्पेस के निदेशक-तकनीकी राजीव ज्योति ने कहा कि इन-स्पेस ने दो चरणों में चयन प्रक्रिया की। पहले चरण में नौ उद्योगों में से छह को शॉर्टलिस्ट किया गया। दूसरे चरण में, छह में से तीन की तकनीकी-वाणिज्यिक बोलियों की एक समिति द्वारा समीक्षा की गई। अंत में एचएएल को चुना गया। इन-स्पेस के अध्यक्ष डॉ. पवन गायनका ने कहा कि सरकार के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. विजया रावणन की अध्यक्षता वाली समिति और इसरो के पूर्व निदेशक सुरेश को सह-अध्यक्षता वाली समिति ने सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद पाया कि तीन बोली लगाने वाले तकनीकी रूप से योग्य हैं। गायनका ने कहा कि फिर हमने वाणिज्यिक बोलियां खोलीं, जिसमें एचएएल की 511 करोड़ रुपये की बोली सबसे ऊंची रही।

अपनी तरह का पहला तकनीकी हस्तांतरण
डॉ. गायनका ने बताया कि एचएएल ने इसरो के स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) के लिए 511 करोड़ रुपये में तकनीक हस्तांतरण हासिल किया है। यह अपनी तरह का पहला टीओटी है। यह भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है। पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) के मामले में, इस तरह से निर्माण का ठेका एक कंसोर्टियम को दिया गया था। लेकिन, एसएसएलवी के मामले में, लॉन्च वाहन बनाने का काम पूरी तरह से एचएएल को दिया जा रहा है।

रूस ने यूक्रेन पर दार्जी मिसाइलें 23 की मौत, कई घायल, मास्को का रिहायशी इलाकों पर हमले से इनकार



एजेसी ॥ कीव/मॉस्को

रूस ने यूक्रेन पर एक बार फिर मिसाइलें दार्जी हैं। कीव में नौ मंजिला अपार्टमेंट पर हुए मिसाइल हमले में 23 लोगों की मौत हो गई। हमले के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की ने कहा कि वैश्विक ताकतों को युद्ध विराम के लिए रूस पर दबाव डाला जाए। जेलेन्स्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि यह हमला दुनिया को याद दिलाता है कि रूस युद्ध विराम को अस्वीकार करता है और हत्या का विकल्प चुनता है। कीव सेना के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि हाल ही में रूस ने शहरी रिहायशी इलाकों पर लंबी दूरी के हमले किए हैं। बुधवार को पुतिन ने इस बात से इनकार किया कि उनकी सेना ने ऐसे ठिकानों पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि हमले सैन्य प्रतिष्ठानों पर किए गए थे, रिहायशी इलाकों पर नहीं।

जेलेन्स्की के साथ समझौते पर संदेह

यूक्रेन के साथ संघर्ष विराम समझौते पर चर्चा करने के लिए तैयार रूसी राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेन्स्की की वैधता पर संदेह है। पुतिन का कहना है कि वे जेलेन्स्की से वार्ता करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनका राष्ट्रपति पद का कार्यकाल आधिकारिक तौर पर पिछले साल समाप्त हो चुका है। मार्शल लॉ लागू होने के कारण कोई उत्तराधिकारी नहीं चुना गया है। ऐसे में रूस-यूक्रेन के बीच जो भी समझौता हो उस पर वैध अधिकारियों के हस्ताक्षर होने चाहिए। पुतिन ने कहा कि कई यूक्रेनी अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। इसलिए जेलेन्स्की की संदिग्ध कानूनी स्थिति उनके अर्धन काम करने वालों के अधिकार पर संदेह पैदा करती है। पुतिन ने कहा कि हस्ताक्षर वैध अधिकारियों से होने चाहिए। नहीं तो मेरे बाद जो भी आएगा, वह समझौते को कुंठाने में फेंक देगा।

पाकिस्तानी एयरबेसों पर भारत के ताबड़तोड़ हमलों से निकल गई पाक की सारी हेकड़ी

नई दिल्ली (ब्यूरो)। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने पहली बार सार्वजनिक रूप से ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के बाद हुए उनके देश की पहल पर भारत के साथ हुए संघर्षविराम की असल सच्चाई पूरी दुनिया के सामने स्वीकार की है। जियो न्यूज से बातचीत में उन्होंने बताया कि 6-7 मई की दरमियानी रात प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निदेश पर हमारी सारी तैयारी पूरी हो चुकी थी। तड़के 4 बजे हम भारत पर हमला करने वाले ही थे कि उससे पहले रात में ढाई बजे भारत ने ही हम पर दोबारा हमला बोल (बहमोस मिसाइलों के साथ) दिया और पाकिस्तानी वायुसेना के रावलपिंडी और पंजाब प्रांत में मौजूद दो बेहद महत्वपूर्ण ठिकानों नूरखान और शेरकोट समेत कई जगहों को निशाना बनाकर भयंकर तबाही मचाई। जिसके बाद पाकिस्तान ने पहले अमेरिका और उसके बाद सऊदी-अरब से भारत के साथ संघर्षविराम के लिए मध्यस्थता करने की गुहार लगाई।

Blend of 8 Effective Ayurvedic Oils

Dr. Juneja's
डा. ऑर्थो
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

ज्योतिष्मती तेल
रक्त संचारण में सुधार कर जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक है।

गन्धपुरा तेल
जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और गठिया में सहायक।

निर्गुण्डी तेल
नसों के दर्द और जोड़ों की ऐंठन में फायदेमंद है।

पुदीना तेल
इसके टंडक देने वाले गुण दर्द एवं सूजन को शांत करते हैं।

चीड़ तेल
मांसपेशियों व सम्पूर्ण जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक।

कपूर तेल
जोड़ों में अकड़न एवं दर्द कम करने में उपयोगी।

तिल तेल
मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द एवं सूजन के लिए लाभकारी।

अलसी तेल
जोड़ों और मांसपेशियों में सूजन कम करने में सहायक है।

Helpful in Painful Conditions
Dr. Ortho Oil
An Ayurvedic Proprietary Medicine
20% EXTRA
100ml+20ml Extra

Clinically Tested*
*For efficacy and safety.

24x7 Helpline: 7870077777
www.drortho.com

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में सहायता करता है। आयुर्वेदिक तेलों का यह मिश्रण उपयोग करने में सुरक्षित है। इसे खुले जख्मों पर न लगाएं। मिलते जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान